प्राची

शिक्षक-दर्शिका

भाषा सेतु

पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका

7

हिंदी भाषा सेतु (पाठ्यपुस्तक एवं स्व-परीक्षण हेतु प्रश्नपत्र) में सम्मिलित प्रश्नों के उत्तर एक-से-अधिक भी हो सकते हैं। प्रस्तुत पुस्तिका में हमने सर्वाधिक संभावित उत्तरों को सम्मिलित/समाविष्ट किया है।

प्राची [इंडिया] प्रा० लिमिटेड
स्मार्ट बुक्स फॉर स्मार्ट लर्निंग

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

इस पुस्तक के किसी भी भाग का, किसी भी रूप में मुद्रण, प्रकाशन, संग्रहण अथवा प्रसारण प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना करना वर्जित है।

मूल्य : ₹ 100-00

प्राची [इंडिया] प्रा० लिमिटेड

स्मार्ट बुक्स फॉर स्मार्ट लर्निंग

309, एलाइड हाउस, इंद्रलोक, दिल्ली-110035
फोन : 011-47320666 (8 लाइन)
फैक्स : 011-43852438, 47320680

Web : www.prachiindia.com
e-mail : info@prachiindia.com

मुद्रक :

विषय-सूची

अध्याय-1 3
अध्याय-2 4
अध्याय-3 7
अध्याय-4 11
अध्याय-5 13
अध्याय-6 16
अध्याय-7 19
अध्याय-8 21
अध्याय-9 25
अध्याय-10 27
अध्याय-11 30
अध्याय-12 34
अध्याय-13 36
अध्याय-14 39
अध्याय-15 42
अध्याय-16 47
अध्याय-17 50
अध्याय-18 52
अध्याय-19 54

1. प्रार्थना

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'प्रार्थना' पाठ में कवि ईश्वर से क्या वरदान माँगता है?

उत्तर— 'प्रार्थना' कविता में कवि ईश्वर से अमरता का वरदान माँगता है।

प्रश्न 2. 'प्रार्थना' पाठ में कवि किस प्रकार के मार्ग पर चलने की कामना करता है?

उत्तर— सत्य के मार्ग पर।

प्रश्न 3. उपनिषद् क्या है?

उत्तर— उपनिषद् में प्रार्थनाओं के श्लोक हैं। ये हिंदू धर्म से संबंधित हैं।

प्रश्न 4. उपनिषद् की रचना किसने की?

उत्तर— उपनिषद् की रचना प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों ने की।

प्रश्न 5. 'प्रार्थना' पाठ में अमरता का क्या अर्थ है?

उत्तर— अमरता का अर्थ है—सदा जीवित रहना।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. अन्य लोगों के लिए कवि क्या कामना करता है? 'प्रार्थना' पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर— अन्य लोगों के लिए कवि कामना करता है कि सभी का जीवन सुखी और मंगलमय हो। सबको शांति मिले तथा संसार में कोई दुखी न हो। किसी को किसी प्रकार का डर न हो।

प्रश्न 2. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए :

विजय मृत्यु पर प्राप्त हमें हो,
देव! अमरता का दो वरदान।
सत्य मार्ग पर चलकर पाएँ,
अमर ज्योति का नया विहान।।

भाव— कवि ईश्वर से कहता है कि हे प्रभु हमें अमरता का वरदान दो ताकि हम मौत पर विजय प्राप्त कर सकें। और हम सत्य के मार्ग पर चलकर ज्ञान रूपी प्रकाश का नया सवेरा पाए।

प्रश्न 3. 'प्रार्थना' पाठ का मूलभाव अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर—'प्रार्थना' पाठ का मूल भाव विश्व शांति की कामना है कवि ने सबके कल्याण की कामना ईश्वर से की है तथा विश्व में सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की है।

प्रश्न 4. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

(क) **अंधकार** से हमें उबारो, ज्योतिर्मय मानस कर **दो**।

(ख) **विजय** मृत्यु पर प्राप्त हमें हो, देव! अमरता का दो **वरदान**।
सत्य मार्ग पर चलकर पाएँ, अमर ज्योति का नया **विहान**।।

(ग) **शांति** और सुख मिले सभी को, सबका जीवन **मंगलमय हो**।
नहीं दुखी कोई भी जन हो, नहीं किसी को कोई **भय हो**।।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

अंधकार—रोशनी | **मृत्यु**—जीवन | **विजय**—पराजय
भय—निर्भय | **शांति**—अशांति

2. निम्नलिखित उपसर्गों का प्रयोग करते हुए शब्द बनाइए :

सद्	— सद्गति	सद्गुण	**अन**	— अनचाहा	अनपढ़
अ	— अलग	अजान	**वि**	— विदेश	वियोग
उप	— उपकार	उपहार			

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

भावानुवाद	— भाव + अनुवाद	**प्रेरणादायक**	— प्रेरणा + दायक
सार्वभौमिक	— सार्व + भौमिक	**ज्योतिर्मय**	— ज्योतिः + मय
सद्कर्म	— सद् + कर्म		

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. मधुर भाषण

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (ग) **5.** (क)
6. (ख) **7.** (क) **8.** (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मनुष्य पशुओं की अपेक्षा कैसे श्रेष्ठ है? 'मधुर भाषण' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— मनुष्य के पास भाषा है, बुद्धि है जबकि पशुओं के पास भाषा नहीं है। इसलिए मनुष्य पशुओं की अपेक्षा श्रेष्ठ है।

प्रश्न 2. 'मधुर भाषण' पाठ में वाणी का सर्वोत्तम गुण क्या बतलाया गया है?

उत्तर— वाणी का सर्वोच्च गुण मधुरता बतलाया गया है।

प्रश्न 3. कोयल और कौआ रंग-रूप एक रहने पर भी कैसे भिन्न हैं? इस पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— कोयल मीठा बोलती है जबकि कौआ कर्कश वाणी में बोलता है। यही दोनों में भिन्नता है।

प्रश्न 4. साहित्य क्या है? 'मधुर भाषण' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— भाव को प्रभावशाली भाषा में अभिव्यक्त कर देना साहित्य है।

प्रश्न 5. व्यापारिक एवं निजी बातचीत में क्या अंतर है?

उत्तर— व्यापारिक बातचीत में हम नपी-तुली बातचीत कर सकते हैं, परंतु निजी बातचीत में आत्मीयता का भाव होना चाहिए।

प्रश्न 6. मधुर भाषण के साथ इनमें से किसकी संगति नहीं है :

(क) व्यंग्य　　(ख) हास-परिहास　　(ग) मृदुवाणी

(घ) शिष्टता　　(ङ) अंतरंगता

उत्तर— व्यंग्य

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मधुर भाषा की क्या-क्या विशेषताएँ हैं?

उत्तर— मधुर भाषा में वाणी की मधुरता विद्यमान रहती है। उचित शब्द-संयोजन, मधुर वचन, आत्मीयता तथा शिष्टता मधुर भाषा के गुण हैं।

प्रश्न 2. जीवन में मधुर भाषण का क्या महत्व है?

उत्तर— जीवन में मधुर भाषण का बहुत महत्व है। वचनों की मधुरता से किसी का भी दिल जीता जा सकता है। माधुर्ययुक्त वाणी बोलने वाला व्यक्ति ही समाज में सम्मान पाता है। वह अपनी मधुर वाणी से शत्रु को भी मित्र बना लेता है।

प्रश्न 3. माधुर्य के साथ शिष्टता तथा शिष्टता के साथ वचनों की अनुकूलता, भाषा में इन तीनों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर— मधुर भाषा के साथ शिष्टता का होना बहुत आवश्यक है। बातचीत के दौरान शिष्टता मनुष्य को समाज में आदर का पात्र बनाती है। शिष्टता मनुष्य के लिए सफलता के रास्ते खोलती है। भाषा में शिष्टता के साथ वचनों की अनुकूलता भी होनी चाहिए। यदि हम मधुर एवं शिष्ट वाणी के साथ-साथ उचित वचनों का प्रयोग करते हैं

तो हमारी बात अधिक प्रभावशाली लगती है। वचनों का माधुर्य हृदय-द्वार को खोलने की कुंजी है।

4. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *वचनों का माधुर्य हृदय-द्वार खोलने की कुंजी है।*

आशय— हमें मधुर वाणी बोलनी चाहिए। मधुर वचनों से हम दूसरों के हृदय को जीत सकते हैं।

(ख) *मधुर भाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है।*

आशय— मधुर भाषा बोलने वाले मनुष्य के कर्म और वचन में समानता होनी चाहिए। क्योंकि कर्म की पहली सीढ़ी वचन ही मानी गई है।

5. भावार्थ लिखिए :

(क) *कोयल काको देत है कागा कासो लेत।*
तुलसी मीठे वचन ते जग अपनो करि लेत।।

भावार्थ— कोयल और कौआ किसी को कुछ नहीं देते, बस उनकी बोली में फर्क है। कोयल अपनी मधुर बोली से संसार के लोगों को अपने वश में कर लेती है। भावार्थ यह है कि मीठी वाणी से दूसरों का दिल जीता जा सकता है।

(ख) *अमी पियावै मान बिनु, सो नर मोहि न सुहाय।*

भावार्थ— मीठी वाणी के बिना दिया गया मान उचित नहीं होता, इसलिए मधुर भाषा समाज-सेवा का आवश्यक गुण है। अपमान करके कोई अमृत भी पिलाए तो वो भी हमें स्वीकार नहीं है।

(ग) *जहाँ क्रिया में उदारता हो वहाँ वचने दरिद्रता नहीं आने देनी चाहिए।*

भावार्थ— जो भी कार्य करो प्रसन्नता के साथ करो। यदि हम किसी के लिए कोई कार्य करें तो वचनों द्वारा अहसान नहीं जताना चाहिए।

भाषा-बोधन

2. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए :

मन + अनुकूल = **मनोनुकूल**
वार्ता + अलाप = **वार्तालाप**
सज्जन + उचित = **सज्जनोचित**
गुरुत्व + आकर्षण = **गुरुत्वाकर्षण**
शिष्ट + आचार = **शिष्टाचार**

3. इस पाठ में प्रयुक्त कोई पाँच समुच्चयबोधक लिखिए।

1. वचनों का आकर्षण न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण **और** चुंबक के आकर्षण से भी बढ़कर है।
2. भाषा की सार्थकता इसी से है **कि** वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके।
3. ये गुण जन्म से तो प्राप्त होते हैं, **किंतु** शिक्षा द्वारा भी ऐसे शुभ अभ्यास और संस्कार बनाए जा सकते हैं।
4. इनकार मजबूरी के ही कारण होना चाहिए, **चाहे** वह सैद्धांतिक हो या आर्थिक।
5. इनकार शिष्टता के साथ भी हो सकता है **और** अशिष्टता के साथ भी।

4. इस पाठ में आए तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्दों के दो-दो उदाहरण लिखिए।

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशी
कुंजी	मधुर	दुधारू	न्यूटन
कर्णकटु	मनुष्य	गंध	कायम

5. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार बदलिए :

(क) व्यापारिक बातचीत नपी-तुली भी हो सकती है और अंतरंग भी।

$\Rightarrow$ व्यापारिक बातचीत नपी-तुली और अंतरंग दोनों हो सकती है।

(ख) कोई वस्तु पूर्ण उदारता से भी दी जा सकती है और प्रसन्नता से भी।

$\Rightarrow$ कोई वस्तु उदारता और प्रसन्नता दोनों से दी जा सकती है।

(ग) इनकार शिष्टता के साथ भी हो सकता है और अशिष्टता के साथ भी।

$\Rightarrow$ इनकार शिष्टता और अशिष्टता दोनों के साथ हो सकता है।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

3. परीक्षा

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) **2.** (ख) **3.** (घ) **4.** (क) **5.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'परीक्षा' कहानी में किस पद के लिए परीक्षा ली जाती है?

उत्तर— दीवान के पद के लिए।

प्रश्न 2. दीवान साहब के समक्ष क्या शर्त रखी गई?

उत्तर— दीवान साहब के समक्ष यह शर्त रखी गई कि वे दीवानी छोड़ने से पहले दीवान खोजें।

प्रश्न 3. 'परीक्षा' कहानी में उम्मीदवार कौन-सा सामूहिक खेल खेलते हैं ?

उत्तर— हॉकी का।

प्रश्न 4. दीवान के पद के लिए किसका चयन किया गया ?

उत्तर— पंडित जानकीनाथ का।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. दीवान सुजानसिंह ने महाराज से क्या प्रार्थना की ? क्यों ?

उत्तर— दीवान सुजान सिंह ने महाराज से यह प्रार्थना की कि उन्हें पदमुक्त कर दिया जाए क्योंकि अब बुढ़ापे में राजकाज सँभालने की शक्ति उनमें नहीं रह गई है।

प्रश्न 2. उम्मीदवार विभिन्न प्रकार के अभिनय किस प्रकार और क्यों कर रहे थे ?

उत्तर— विभिन्न उम्मीदवार रायगढ़ की दीवानी पाने के लिए शिष्टता दिखाने का नाटक करते हैं। मिस्टर 'अ' पहले नौ बजे उठते थे अब वे प्रातः ही उठ जाते हैं। मिस्टर 'ब' आधी रात को किवाड़ बंद करके सिगरेट पीते हैं। मिस्टर 'स', 'द' और 'ज' से उनके घरों के नौकर परेशान रहते थे अब वे अपने नौकरों को आप, जनाब कहकर पुकारते हैं। मिस्टर 'ल' को किताबों से घृणा थी आजकल वे धर्मों ग्रंथों में डूबे रहते हैं।

प्रश्न 3. एक उम्मीदवार ने गाड़ीवाले की मदद किस प्रकार की ?

उत्तर— एक दिन उम्मीदवारों ने हॉकी मैच का आयोजन किया। सुजान सिंह भेष बदलकर उम्मीदवारों की परीक्षा लेने जा पहुँचे। उनकी बैलगाड़ी कीचड़ में फँस गई तभी उम्मीदवार जानकीनाथ ने आकर नाले की कीचड़ से बैलगाड़ी को धक्का मार कर बाहर निकलवाया। इस प्रकार जानकीनाथ ने गाड़ी वाले की मदद की।

प्रश्न 4. किसान ने अपने मददगार युवक से क्या कहा ? उसका क्या अर्थ था ?

उत्तर— किसान (सुजानसिंह) ने अपने मददगार को कहा कि नारायण ने चाहा तो दीवानी आपको ही मिलेगी। इसका अर्थ था कि दीवान सुजानसिंह ने पंडित जानकीनाथ को रायगढ़ का दीवान चुन लिया था।

प्रश्न 5. सुजानसिंह ने उम्मीदवारों की परीक्षा किस प्रकार ली ?

उत्तर— एक दिन उम्मीदवारों का हॉकी मैच हुआ। उसी दिन सुजान सिंह एक किसान के भेष में बैलगाड़ी लेकर उम्मीदवारों की परीक्षा लेने जा पहुँचे। उनकी गाड़ी नाले में कीचड़ में फँस गई। किसी उम्मीदवार ने उनकी तरफ ध्यान तक नहीं दिया। उन्हीं में से एक उम्मीदवार पंडित जानकीनाथ ने किसान (सुजानसिंह) की बैलगाड़ी कीचड़ से निकालने में मदद की। इस प्रकार सुजानसिंह ने उम्मीदवारों की परीक्षा ली।

प्रश्न 6. पं० जानकीनाथ में कौन-कौन से गुण थे ?

उत्तर— पंडित जानकीनाथ उदार हृदय, साहसी और आत्मविश्वासी व्यक्ति थे। वे परोपकारी थे, उन्होंने विपत्ति में फँसे किसान की बैलगाड़ी कीचड़ से बाहर निकलवाई। उनमें दृढ़ संकल्प शक्ति विद्‌यमान थी।

प्रश्न 7. सुजानसिंह के मतानुसार दीवान में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

उत्तर— सुजानसिंह के मतानुसार दीवान में दया और आत्मबल का गुण होना चाहिए। उनके अनुसार हृदय वही, जो उदार हो और आत्मबल वही है जो विपत्ति का वीरता के साथ सामना करे।

प्रश्न 8. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *इन बगुलों में हँस कहाँ छिपा है?*

आशय— सुजानसिंह दीवान के पद के लिए सही उम्मीदवार की खोज कर रहे थे। पंडित जानकी नाथ को छोड़कर बाकी के उम्मीदवार बगुले के समान थे। सुजानसिंह उन बगुलों में छिपे हंस अर्थात् सच्चे उम्मीदवार को ढूँढ़ रहे थे।

(ख) *गहरे पानी पैठने से मोती मिलता है।*

आशय— कुछ अच्छा पाने के लिए गहराई में जाना पड़ता है। ऊपरी प्रयास से सफलता नहीं मिलती।

(ग) *उन आँखों में सत्कार था और इन आँखों में ईर्ष्या।*

आशय— पंडित जानकीनाथ के नाम की घोषणा दीवान पद के लिए होने पर दो प्रकार की प्रतिक्रियाएँ सामने आईं। कर्मचारी और रईसों की आँखों में सम्मान की भावना थी परंतु अन्य उम्मीदवार उनके चुनाव से चिढ़ गए थे।

प्रश्न 9. रिक्त स्थान भरिए :

(क) हृदय वही है जो **उदार** हो; आत्मबल वही है जो आपत्ति का **वीरता** के साथ **सामना** करे।

(ख) कहीं भूल-चूक हो जाए तो बुढ़ापे में **दाग लगे,** सारी ज़िंदगी की **नेकनामी मिट्‌टी** में मिल जाए।

भाषा-बोधन

1. नीचे लिखी संज्ञाओं में जातिवाचक, व्यक्तिवाचक और भाववाचक संज्ञाएँ पहचानिए :

जातिवाचक	व्यक्तिवाचक	भाववाचक
दीवान	देवगढ़	शक्ति
अंगरखे	जानकीनाथ	सादगी
पुल	नारायण	
खिलाड़ी		
शिखर		

2. 'शील' प्रत्यय लगाकर पाँच शब्द बनाइए।

(क) विचारशील　　(ख) विवेकशील

(ग) भाग्यशील　　(घ) गतिशील

(ङ) प्रगतिशील

3. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तित कीजिए :

(क) एक अवसर पर वे दावत में जा रहे थे। (*सामान्य भूतकाल*)
एक अवसर पर वे दावत में गए।

(ख) पुस्तकें देने के बाद बहुत कम वापिस आती हैं। (*सामान्य भविष्य*)
पुस्तकें देने के बाद बहुत कम वापिस आएँगी।

(ग) शिक्षा सब को देना वे अपना पावन कर्तव्य समझते हैं। (*अपूर्ण भूतकाल*)
वे सबको शिक्षा देना अपना पावन कर्तव्य समझ रहे थे।

4. निम्नलिखित सर्वनामों के भेद बताइए :

सर्वनाम	भेद
मैं	: उत्तम पुरुष (पुरुषवाचक सर्वनाम)
मेरे	: उत्तम पुरुष (पुरुषवाचक सर्वनाम)
वह	: अन्य पुरुष (पुरुषवाचक सर्वनाम)
मुझे	: उत्तम पुरुष (पुरुषवाचक सर्वनाम)
आप	: मध्यम पुरुष (पुरुषवाचक सर्वनाम)
जो	: संबंधवाचक सर्वनाम
यह	: अन्य पुरुष (पुरुषवाचक सर्वनाम)
कौन	: प्रश्नवाचक सर्वनाम
क्या	: प्रश्नवाचक सर्वनाम
कितना	: प्रश्नवाचक सर्वनाम

5. इस पाठ में आए विशेषण शब्द लिखिए और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

बहुत	: दीवान **बहुत** गुणवान व्यक्ति थे।
नया	: उन्होंने दीवान पद के लिए **नया** उम्मीदवार चुना।
रंग-बिरंगे	: बगीचे में **रंग-बिरंगे** फूल खिले हैं।
बूढ़ा	: **बूढ़ा** आदमी पेड़ के नीचे बैठा है।
लंबा	: बाहर एक **लंबा** पुरुष खड़ा है।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

4. सच्ची मित्रता

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (घ) **2.** (घ) **3.** (घ) **4.** (ख) **5.** (क) **6.** (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. रामचरितमानस के किष्किंधा-कांड से उद्धृत काव्य-पंक्तियों में किस बात का महत्व बताया गया है?

उत्तर— सच्ची मित्रता का।

प्रश्न 2. अनुमान लगाइए कि ये बातें किसने किसको समझाई होंगी?

उत्तर— ये बातें श्रीराम ने अपने मित्र सुग्रीव को समझाई हैं।

प्रश्न 3. कैसे मित्र को देखने में भी भारी पाप लगता है?

उत्तर— जो मित्र अपने मित्र के दुख से दुखी नहीं होता, ऐसे मित्र को देखने से भी पाप लगता है।

प्रश्न 4. क्या आप अपने मित्र में कविता में बताए गए गुण पाते हैं?

उत्तर— विद्यार्थी स्वयं करें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सच्चा मित्र कौन होता है? विपत्तिकाल में उसका व्यवहार कैसा होता है?

उत्तर— सच्चा मित्र वह होता है जो अपने मित्र के दुख में दुखी होता है। वह अपने मित्र के छोटे दुख को भी बहुत बड़ा मानता है। विपत्तिकाल में सच्चा मित्र सद्गुणों के साथ स्नेह बनाए रखता है। वह मित्र की अच्छी बातों पर पूरा साथ देता है।

प्रश्न 2. जो व्यक्ति आगे मीठे वचन बोलता है और पीछे से मन में बुरे विचार लाता है, उसके साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए?

उत्तर— ऐसे व्यक्ति के साथ हमें मित्रता का व्यवहार नहीं करना चाहिए। ऐसे व्यक्ति को छोड़ने में ही भलाई है।

प्रश्न 3. किन चार को सूल के समान बताया गया है और क्यों?

उत्तर— दुष्ट नौकर, कंजूस राजा, बुरे-चरित्र की स्त्री तथा कपटी मित्र को शूल के समान बताया है। क्योंकि ऐसे लोग कभी भी सच्चे मित्र नहीं बन सकते और मुसीबत की घड़ी में कभी आपका साथ नहीं देते।

प्रश्न 4. उक्त चौपाई के आधार पर सच्चे मित्र के पाँच लक्षण बताइए।

उत्तर— सच्चे मित्र के निम्नलिखित लक्षण पाए गए हैं—

1. सच्चा मित्र अपने मित्र के दुख में दुखी होता है।

2. वह मित्र को बुरे मार्ग से हटाकर सही मार्ग दिखाता है।

3. सच्चा मित्र अपने मित्र के प्रति कभी कटुभाव नहीं लाता।

4. विपत्ति काल में वह मित्र के प्रति अधिक स्नेह बनाए रखता है।

5. सच्चा मित्र अपने मित्र के छोटे दुख को भी बहुत बड़ा मानता है।

प्रश्न 5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) *जे न मित्र दुख होहिं दुखारी।*
तिन्हहिं बिलोकत पातक भारी।।
निज दुख गिरिसम रज करि जाना।
मित्रक दुख रज मेरु समाना।।

प्रसंग— प्रस्तुत चौपाई रामभक्त कवि तुलसीदास द्‌वारा रचित महाकाव्य 'रामचरितमानस' के 'किष्किंधा कांड' से अवतरित है।

व्याख्या— श्रीराम सुग्रीव को सच्चे मित्र के लक्षण बताते हुए कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने मित्र के दुख में दुखी नहीं होता, उसे देखने में भी भारी पाप लगता है। मित्र को तो अपना बड़े-से-बड़ा दुख भी धूल के समान तुच्छ समझना चाहिए और मित्र के छोटे-से-छोटे दुख को भी पर्वत क समान बड़ा मानना चाहिए।

(ख) *कुपथ निवारि सुपथ चलावा।*
गुन प्रकटै अवगुनन्हि दुरावा।।
देत लेत मन संक न धरई।
बल अनुमान सदा हित करई।।

प्रसंग— प्रस्तुत चौपाई रामभक्त कवि तुलसीदास द्‌वारा रचित महाकाव्य 'रामचरितमानस' के 'किष्किंधा कांड' से अवतरित है।

व्याख्या— श्रीराम सुग्रीव को सच्चे मित्र के बारे में बताते हुए कहते हैं कि सच्चा मित्र हमें बुरे मार्ग पर जाने से रोकता है तथा सही मार्ग पर चलाता है। वह हमारे अवगुणों को दूर करके गुणों को समाहित करता है। सच्चा मित्र मन में किसी प्रकार की शंका नहीं रखता। वह हमेशा भलाई ही सोचता है।

प्रश्न 6. प्रस्तुत पाठ के आधार पर 'मित्रता' पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर— 'मित्रता' एक पवित्र रिश्ता होता है। यदि हम किसी को अपना मित्र बनाते हैं तो हमें हर सुख-दुख में उसका साथ देना चाहिए। मुसीबत की घड़ी में जो मित्र अपने मित्र के साथ खड़ा हो, वही सच्चा मित्र कहलाने का हकदार होता है। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का उदाहरण बड़े गर्व के साथ दिया जाता है। श्रीकृष्ण अपने मित्र के बिना बताए ही उनके दुखों को पहचान गए और उनके दुखों का निवारण भी किया। एक सच्चा मित्र अपने मित्र के जीवन को स्वर्ग-सा सुंदर बना सकता है। इस प्रकार सच्ची मित्रता का मनुष्य जीवन में बहुत महत्व है।

भाषा–बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग अलग कीजिए :

शब्द	उपसर्ग	शब्द	उपसर्ग	शब्द	उपसर्ग
कुपथ	कु	अनुमान	अनु	कुमित्र	कु
अवगुन	अव	सतगुन	सत	कुनारी	कु

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

निज— हमें **निज** अवगुणों को दूर करना चाहिए।

सेवक— राजा ने अपने **सेवक** को बुलाया।

भलाई— हमें गरीबों की **भलाई** के लिए कार्य करने चाहिए।

बल— कमजोर व्यक्ति पर **बल** का प्रयोग करना सही नहीं है।

संत— गाँव में एक महान **संत** आए हैं।

3. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए :

दुख—दुखी	**मित्र**—मित्रता	**सेवक**—सेवा
निज—निजत्व	**मृदु**—मृदुलता	

ज्ञान–विस्तार

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

5. ईसा मसीह

अभ्यास–प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ख) **2.** (ग) **3.** (ख) **4.** (क) **5.** (ख)
6. (घ) **7.** (घ) **8.** (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. जोसफ बेथलेहम क्यों आया ?

उत्तर— जोसफ बढ़ई जनगणना कराने के लिए बेथलेहम आया।

प्रश्न 2. ईसा ने जॉन को अपना गुरु क्यों बनाया ?

उत्तर— ईसा ने जॉन को अपना गुरु इसलिए बनाया क्योंकि जॉन सादा जीवन बिताने वाले महात्मा थे। उनकी सादगी ने ईसा को प्रभावित किया।

प्रश्न 3. यरूशलम के शासकों से ईसा मसीह की शिकायत किसने की ?

उत्तर— यरूशलम के कुछ धर्म गुरुओं ने शासकों से ईसा मसीह की झूठी शिकायत की।

प्रश्न 4. ईसा मसीह ने अपने हत्यारों के लिए क्या प्रार्थना की ?

उत्तर— ईसा ने अपने हत्यारों के लिए प्रार्थना की कि—''हे प्रभु, इन्हें क्षमा करना, क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं।''

प्रश्न 5. अन्य दो महापुरुषों के नाम बताओ जिन्होंने दया, प्रेम और क्षमा करने का संदेश दिया हो।

उत्तर— महात्मा बुद्ध और स्वामी विवेकानंद।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. महात्मा ईसा का जन्म कहाँ और किन परिस्थितियों में हुआ ?

उत्तर— महात्मा ईसा का जन्म बेथलेहम में बड़ी विषम परिस्थितियों में हुआ था। वहाँ एक अस्तबल में उनका जन्म हुआ। जहाँ कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

प्रश्न 2. बालक जीसस में महापुरुष बनने के क्या-क्या लक्षण थे ?

उत्तर— बालक जीसस बचपन से ही तीव्र बुद्धि, शांत और नम्र स्वभाव के मृदुभाषी थे। उनमें महापुरुष बनने के सभी लक्षण थे। वे बचपन से ही धर्म की बातों में रुचि लेते थे।

प्रश्न 3. महात्मा ईसा को ज्ञान की प्राप्ति किस प्रकार हुई ?

उत्तर— ईसा मसीह ने महात्मा जॉन से दीक्षा ली। इसके पश्चात उन्होंने चालीस दिन तक जंगल में उपवास किया। वे लगातार ध्यान-मग्न रहे। तत्पश्चात उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई।

प्रश्न 4. महात्मा ईसा के प्रमुख उपदेश लिखो। तुम्हें इनमें सबसे अच्छा उपदेश कौन-सा लगा ?

उत्तर— ईसा मसीह के प्रमुख उपदेश निम्नलिखित हैं—

- सभी मनुष्यों के साथ प्यार करो।
- दान गुप्त रूप से दो।
- व्यवहार में नम्रता रखो।
- शांति स्थापित रखने में सहयोग करो।
- हृदय की पवित्रता बनाए रखो।

हमें उनके सभी उपदेश अच्छे लगे।

प्रश्न 5. कुछ लोग महात्मा ईसा के विरुद्ध क्यों हो गए ?

उत्तर— ईसा मसीह की प्रसिद्धि के कारण कुछ लोग उनसे ईर्ष्या करने लगे। कुछ लोग उनके विरुद्ध इसलिए भी थे क्योंकि वे रोम से युद्ध करने की बात नहीं मान रहे थे।

प्रश्न 6. ईसा मसीह को क्या दंड दिया गया ?

उत्तर—ईसा मसीह को प्राणदंड मिला। उनके पैरों में और हाथों में कीलें ठोककर क्रूस पर लटका दिया गया।

प्रश्न 7. ईसा मसीह के जीवन की घटनाओं को अपने शब्दों में लिखो।

उत्तर—ईसा मसीह का जन्म बेथलेहम में एक अस्तबल में हुआ। उनकी माता का नाम मरियम और पिता का नाम जोसफ था। बचपन से ही ईसा बहुत तीव्र बुद्धि के बालक थे। तीस वर्ष की आयु में उन्होंने घर त्याग दिया। उन्होंने महात्मा जॉन से दीक्षा ली। फिर जंगल में रहकर चालीस दिन का उपवास रखा। वहीं उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। ईसा ने नम्र बनने, हृदय पवित्र रखने, शांति बनाए रखने तथा शत्रुओं से भी प्यार करने की बातें कही। कुछ धर्म गुरु उनकी प्रसिद्धि के कारण उनसे घृणा करने लगे। उन्होंने शासकों से ईसा मसीह की झूठी शिकायत कर दी। कहते हैं कि उनका एक शिष्य जूडास भी इस षडयंत्र में शामिल था। ईसा को मृत्यु दंड की सजा मिली। उन्हें पैरों तथा हाथों में कीलें ठोककर क्रूस पर लटका दिया। ईसा ने मरते समय भी प्रेम, भाईचारे एवं सहिष्णुता का संदेश दिया।

प्रश्न 8. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

(क) फिलिस्तीन **(ख)** जीसस **(ग)** अनुयायी

(घ) प्राणदंड **(ङ)** क्रूस

भाषा-बोधन

1. महात्मा ईसा जैसे धार्मिक व्यक्ति के लिए कौन-कौन से विशेषण उपयुक्त रहेंगे ? नीचे दिए गए विशेषणों में से चुनो :

महात्मा ईसा के लिए उपयुक्त विशेषण शब्द—दयालु, शांत, सहिष्णु, परोपकारी, उदार, सर्वप्रिय, क्षमाशील।

2. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखो :

जहाँ घोड़े रखे जाते हैं	**अस्तबल**
जहाँ गाएँ रखी जाती हैं	**गौशाला**
जहाँ यज्ञ किया जाता है	**यज्ञशाला**
जहाँ पाठ पढ़ा जाता है	**पाठशाला**

3. नीचे दिए गए वाक्यों में से संज्ञा और सर्वनाम शब्द छाँटो :

		संज्ञा	**सर्वनाम**
(क)	संसार के करोड़ों लोग उन्हें याद करते हैं।	संसार, लोग	उन्हें
(ख)	कुछ लोग उनके विरुद्ध हो गए।	लोग	उनके
(ग)	दूसरों के साथ वैसा ही बर्ताव करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें।	—	तुम, वे, तुम्हारे
(घ)	ईसा ने जॉन को अपना गुरु बनाया।	ईसा, जॉन, गुरु	अपना
(ङ)	जोसफ और मेरी को बैथलेहम जाना पड़ा।	जोसफ, मेरी, बैथलेहम	

4. इन शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करो :

प्रसिद्धि— महात्मा गाँधी की **प्रसिद्धि** सारे विश्व में फैल गई।

शांत— महात्मा बुद्ध बहुत **शांत** स्वभाव के थे।

पर्वत— हिमालय **पर्वत** भारत की उत्तर दिशा में स्थित है।

निरंतर— **निरंतर** आगे बढ़ते रहो।

नम्र— हमें **नम्र** एवं दयालु बनना चाहिए।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

6. हेर-फेर

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) 2. (ग) 3. (घ) 4. (घ) 5. (ग)
6. (घ) 7. (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मज़दूर खुश क्यों था ?

उत्तर— मजदूर खुश था क्योंकि उसके पास दो आने पैसे थे।

प्रश्न 2. मज़दूर की कल्पना मिट्टी में क्यों मिल गई ?

उत्तर— मजदूर अपनी शादी के सपने देखते हुए जा रहा था तभी बारात के आगे चलने वाले नौकरों ने उसे डाँट कर सड़क से हटने को कहा। तब मजदूर की शादी की कल्पना मिट्टी में मिल गई।

प्रश्न 3. रईस की पालकी क्यों रुक गई ?

उत्तर— रईस की पालकी रुक गई क्योंकि मजदूरों की बारात निकल रही थी।

प्रश्न 4. पालकी से उतरकर रईस आराम क्यों करना चाहता था ?

उत्तर— मजदूरों पर जब मार पड़ने लगी तब वे चीखने लगे, इससे पालकी सवार रईस का दिमाग़ खराब हो गया। इसलिए वह आराम करना चाहता था।

प्रश्न 5. बताइए, किसने कहा, किससे कहा ?

	किसने कहा	किससे कहा ?
(क) 'सड़क सिर्फ़ तुम्हारी नहीं है।'	मजदूर ने	नौकरों से कहा
(ख) 'पाजियों को डंडे मारकर भगा दो।'	धनी आदमी ने	नौकरों से कहा

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. बारात वालों ने मज़दूर को सड़क के बाहर क्यों फेंक दिया ?

उत्तर— सड़क से एक बारात जा रही थी। बारात के आगे चलने वाले नौकरों ने मजदूर को रास्ते से हटने को कहा, परंतु जब वह नहीं हटा तो बारात वालों ने उसे पीटकर सड़क के बाहर फेंक दिया।

प्रश्न 2. मज़दूर ने भगवान से क्या शिकायत की ?

उत्तर— मजदूर ने भगवान से शिकायत की कि हे भगवान, जब हमारे पास न धन-दौलत हैं और न ही महल अटारी, फिर तूने हमें क्यों पैदा किया? क्या इसलिए कि अमीरों के नौकर हमें मार-पीटकर सड़क के किनारे फेंक दे।

प्रश्न 3. मज़दूर किस प्रकार रईस बन गया ?

उत्तर— मजदूर ने जी-जान से काम किया। उसने दिन-रात का आराम भूलकर काम किया। इसके साथ-साथ उसने छल-कपट और धोखे से भी धन कमाया। इस प्रकार मजदूर रईस बन गया।

प्रश्न 4. रईस ने भगवान से क्या शिकायत की ?

उत्तर— रईस ने भगवान से शिकायत की कि हे भगवान, ''इन अभागे मजदूरों के पास न धन-दौलत है, न महल-अटारियाँ, न नौकर-चाकर। फिर तूने इन्हें क्यों पैदा किया? क्या इसलिए कि ये हमारे रास्ते में खड़े हों और हमारा समय नष्ट करें। दुनिया को इनकी क्या जरूरत है।''

प्रश्न 5. मज़दूर और रईस के साज-सामानों में क्या अंतर था ?

उत्तर— मजदूर के पास घर में एक चूल्हा तथा दो-चार बर्तन ही थे। जबकि रईस के पास रुपए, मोहरें, विशाल महल, दास-दासियाँ तथा घोड़े-पालकियाँ थीं।

प्रश्न 6. मज़दूर की दशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर— मजदूर बहुत ही गरीब था। वह नंगे पाँव और नंगे सिर था। उसके घर में एक चूल्हे तथा दो-चार बर्तनों के अलावा और कोई साज-सामान नहीं था। मगर फिर भी वह चादर में लपेटे दो आने पैसों से ही संतुष्ट था। वह अपनी शादी के सपने देखता है लेकिन सड़क पर जा रहे बाराती उसको पीटकर सड़क से बाहर फेंक देते हैं।

प्रश्न 7. रईस की शानो-शौक़त का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर— रईस का अपने नगर में बहुत नाम था। उनके पास रुपए, मोहरें तथा विशाल महल था। उनकी सेवा करने के लिए दास-दासियाँ थीं। उसकी सवारी के लिए छोड़े और पालकियाँ थीं। लोग उसके सामने सिर झुकाकर आते थे।

प्रश्न 8. 'आख़िर दुनिया को इनकी क्या ज़रूरत है?'—इस वाक्य का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर— अमीर लोग गरीबों को देश पर बोझ मानते हैं। अमीरों के अनुसार गरीब लोगों की संसार में कोई जरूरत नहीं है। वे मानते हैं कि गरीब सिर्फ अमीरों के लिए कठिनाइयाँ ही पैदा करते हैं।

प्रश्न 9. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) आहें **(ख)** चीखें **(ग)** सवारी

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों के व्याकरणिक शब्द-भेद बताइए :

ज़रूर	— क्रिया विशेषण	**ज़रूरी**	— विशेषण
ज़रूरत	— भाववाचक संज्ञा	**मेहनत**	— संज्ञा, क्रिया
मेहनती	— विशेषण	**मेहनतकश**	— विशेषण
नरमी	— भाववाचक संज्ञा	**नम्रता**	— भाववाचक संज्ञा

2. इसी प्रकार के कुछ वाक्य आप भी बनाइए।

(क) हँसना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। ('हँसना' क्रिया का संज्ञा रूप)

(ख) वह **हँसने** लगा। ('हँसना' क्रिया का संज्ञा रूप)

(ग) हँसने वाला लड़का मेरा मित्र है। ('हँसना' क्रिया का विशेषण रूप)

(घ) हँसता हुआ लड़का विक्रम है। ('हँसना' क्रिया का विशेषण रूप)

3. निम्नलिखित वाक्यों में से कृदंत और तद्धित शब्द छाँटिए :

वाक्य	**कृदंत शब्द**	**तद्धित शब्द**
(क) बारात के आगे चलने वाले नौकरों ने उससे कहा।	चलने वाले	नौकरों
(ख) अब वहाँ अकेला मज़दूर था।	—	मजदूर
(ग) मज़दूर ने जी-जान तोड़कर काम किया।	तोड़कर	—
(घ) उसके राजसी महल का द्वार उसके लिए खुला था।	—	राजसी, द्वार

4. निम्नलिखित क्रियाओं से कृदंत बनाइए :

चलना—चलने वाला	**निकलना**—निकलता	**फेंकना**—फेंकने वाला
रोकना—रुकावट	**देखना**—दिखाना	

5. निम्नलिखित शब्दों से तद्धित बनाइए :

मज़दूर—मज़दूरी | **नाम**—नामी

दिमाग़—दिमाग़ी | **समय**—समयकार

6. उदाहरण देखो, समझो और लिखो :

(क) (*i*) **सामने से मजदूर जा रहे थे।**

(*ii*) **धनी व्यक्ति ने उसे देखा।**

⇒ सामने से जाते हुए मजदूरों को धनी व्यक्ति ने देखा।

(ख) (*i*) **पीछे से लोग चुगली कर रहे थे।**

(*ii*) **मैंने उन्हें ऐसा करते सुना।**

⇒ पीछे से चुगली करते हुए लोगों को मैंने सुना।

(ग) (*i*) **बच्चे विद्यालय में पुस्तकें पढ़ रहे थे।**

(*ii*) **अध्यापक ने उन्हें देखा।**

⇒ विद्यालय में पुस्तकें पढ़ते हुए बच्चों को अध्यापक ने देखा।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

7. हमें न बाँधो प्राचीरों से

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क) 2. (घ) 3. (ग) 4. (ख) 5. (घ) 6. (क) 7. (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'हमें न बाँधो प्राचीरों से' कविता में पक्षियों की क्या प्रार्थना है ?

उत्तर— पक्षियों की प्रार्थना बंधनमुक्त जीवन है।

प्रश्न 2. इस कविता में पक्षियों की किस विशेषता का परिचय मिलता है ?

उत्तर— पक्षी बंधनमुक्त जीवन पसंद करते हैं। वे स्वतंत्र होकर आकाश में उड़ान भरना पसंद करते हैं।

प्रश्न 3. 'हमें न बाँधो प्राचीरों से' कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?

उत्तर— इस कविता से हमें स्वतंत्र जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है।

प्रश्न 4. पक्षियों का सपना क्या है ?

उत्तर— पक्षियों का सपना है कि वे नीले आसमान में उड़ान भरकर उसकी सीमा तक पहुँचते तथा अपनी लाल चोंच से अनार के दाने चुगते।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पिंजरे में बंद पक्षी किस प्रकार के स्वप्न देखते हैं ?

उत्तर— पिंजरे में बंद पक्षी पेड़ों की टहनियों के झूले झूलने के सपने देखते हैं।

प्रश्न 2. 'हमें न बाँधो.....' कविता में मुख्य रूप से कौन-सा भाव प्रकट हुआ है ? सही उत्तर पर ठीक (✔) का चिह्न लगाइए :

उत्तर— (क) स्वतंत्रता की कामना (✔)

प्रश्न 3. 'कहीं भली है कटुक निबौरी, कनक-कटोरी की मैदा से' इस पंक्ति में 'कटुक-निबौरी' और 'कनक-कटोरी की मैदा' का क्या अर्थ है ? ये प्रतीक किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं ?

उत्तर— कटुक-निबौरी का अर्थ है कड़वी निबौली। कविता में इसका अर्थ स्वतंत्र रहकर रुखी-सुखी रोटी खाने से है। 'कनक कटोरी की मैदा' का अर्थ है सोने की कटोरी में मैदा। कविता में इसका अर्थ है—गुलामी के जीवन में संपूर्ण सुविधाएँ। ये प्रतीक स्वतंत्र जीवन और परतंत्र जीवन के लिए प्रयुक्त हुए हैं।

प्रश्न 4. 'हम बहता जल पीने वाले'—इस पंक्ति में भारतवासियों की किस विशेषता को बताया गया है ?

उत्तर— 'हम बहता जल पीने वाले' पंक्ति से भारतवासियों की 'मेहनत करके खाने वाले' विशेषता का पता चलता है। भारतवासी बंधनयुक्त जीवन पसंद नहीं करते, वे स्वतंत्र जीवन पसंद करते हैं।

प्रश्न 5. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *या तो क्षितिज मिलन बन जाता, या तनती साँसों की डोरी।*

आशय— पक्षी जब स्वच्छंद होकर उड़ान भरते तो या तो क्षितिज से उनका मिलाप हो जाता या फिर उनकी साँस फूलने लगती।

(ख) *पागल प्राण बँधेंगे कैसे, नभ की धुँधली दीवारों में।*

आशय— आकाश के धुँधले बादलों में स्वतंत्रता के इच्छुक पक्षियों के प्राण नहीं बँधेंगे अर्थात् पक्षियों को बंधनयुक्त जीवन पसंद नहीं है, वे आकाश में स्वच्छंद उड़ान भरना चाहते हैं।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

जल—नीर, पानी

स्वर्ण—सोना, कनक

तारक—तारे, नक्षत्र

गगन—नभ, आकाश

तरु—पेड़, वृक्ष

पक्षी—खग, नभचर

2. अलंकार का भेद बताइए :

(क) लाल किरण-सी चोंच खोल, चुगते तारक-अनार के दाने।
अलंकार का भेद— उपमा अलंकार

(ख) पागल प्राण बँधेंगे कैसे, नभ की धुँधली दीवारों में।
अलंकार का भेद— अनुप्रास अलंकार

3. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग कीजिए :

पुलकित—**इत**

उड़ान—**आन**

विवशता—**ता**

दीवारों—**ओं**

टकराकर—**आकर**

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उन्मुक्त— पक्षी **उन्मुक्त** होकर आकाश में उड़ रहे हैं।

श्रृंखला— जजीरों की **श्रृंखला** टूटने लगी।

अरमान— सभी के दिल में कोई न कोई **अरमान** अवश्य होता है।

क्षितिज— **क्षितिज** में समुद्र आसमान को छूता हुआ प्रतीत होता है।

आश्रय— पक्षी पेड़ों पर अपना **आश्रय** बनाते हैं।

ज्ञान-विस्तार

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

8. क्या निराश हुआ जाए ?

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (क) **2.** (घ) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.** (घ) **6.** (घ) **7.** (क) **8.** (घ) **9.** (घ)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. वर्तमान स्थिति में चिंता का प्रमुख कारण क्या है ?

उत्तर— लोगों की जीवन मूल्यों के प्रति डगमगाती आस्था चिंता का प्रमुख कारण है।

प्रश्न 2. महान मनीषियों के सपनों का भारत कैसा है ?

उत्तर— महान मनीषियों के सपनों का भारत सभी धर्मों के आदर्शों की मिलन भूमि है।

प्रश्न 3. भारतवर्ष में कानून को किस रूप में देखा जाता है ?

उत्तर— भारतवर्ष में कानून को धर्म के रूप में देखा जाता है।

प्रश्न 4. बस खराब हो जाने पर कंडक्टर साइकिल लेकर क्यों चलता बना ?

उत्तर— वह दूसरी बस लाने के लिए बस अड्डे गया था।

प्रश्न 5. कुछ यात्री बस ड्राइवर को मारने के लिए क्यों उतारू थे ?

उत्तर— बस यात्रियों को लगा कि ड्राइवर और कंडक्टर उन्हें धोखा दे रहे हैं, इसलिए कुछ यात्री ड्राइवर को मारने के लिए उतारू थे।

प्रश्न 6. 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ पढ़ने के बाद आप अपने में क्या परिवर्तन लाना चाहेंगे ?

उत्तर— हम जीवन मूल्यों के प्रति अपनी आस्था दृढ़ करने का प्रयत्न करेंगे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. जीवन के महान मूल्यों के बारे में आज हमारी आस्था क्यों हिलने लगी है ?

उत्तर— आजकल समाज में बेईमानी और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है। सच्चाई को डर की निशानी माना जा रहा है। कोई भी आदमी ईमानदार नहीं रह गया है, इसलिए आज जीवन के महान मूल्यों के प्रति हमारी आस्था हिलने लगी है।

प्रश्न 2. 'वर्तमान परिस्थिति यों में हताश हो जाना ठीक नहीं है।' उदाहरणों से इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर— लेखक वर्तमान परिस्थितियों में भी हताश हो जाने को उचित नहीं मानता। उसने ईमानदारी और सच्चाई के कुछ उदाहरण देकर अपने मत की पुष्टि की है। लेखक ने टिकट बाबू और बस कंडक्टर के उदाहरण दिए हैं।

प्रश्न 3. किस प्रकार के आचरण को निकृष्ट कहा गया है ?

उत्तर— लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विकारों को प्रधान मान लेना और उन्हें मन तथा बुद्धि के इशारे छोड़ देने को निकृष्ट आचरण कहा गया है।

प्रश्न 4. इस पाठ का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' क्यों रखा गया है ?

उत्तर— लेखक 'क्या निराश हुआ जाए' शीर्षक के माध्यम से हमें प्रेरणा दे रहा है कि हमें मन में निराशा का भाव नहीं लाना चाहिए। वर्तमान परिस्थितियों में भी जीवन-मूल्यों के प्रति हमारी आस्था नहीं डगमगानी चाहिए। इसलिए लेखक ने पाठ का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' रखा है।

प्रश्न 5. लेखक ने आज देश में व्याप्त निराशा का क्या कारण बताया है ?

उत्तर— आज देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार का साम्राज्य फैला हुआ है। लोगों की जीवन मूल्यों में कोई आस्था नहीं रह गई है। ईमानदार व्यक्ति को मूर्ख समझा जाने लगा है। झूठ और बेईमानी का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं। इसी कारण आज देश में निराशा का माहौल पैदा हो गया है।

प्रश्न 6. आज हमारी मनोवृत्ति में निराशा क्यों आती जा रही है ?

उत्तर— आजकल समाज से सच्चाई, ईमानदारी, प्रेमभाव तथा सेवा भावना आदि जीवन मूल्य गायब हो रहे हैं। ठगी, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसी बुराइयाँ पनप रही हैं। ईमानदारी को तो मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है। इसलिए मनुष्य में निराशा के भाव आने लगते हैं।

प्रश्न 7. नीचे लिखी पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

(क) *इस समय सुखी वही है, जो कुछ नहीं करता। जो कुछ भी करेगा, उसमें लोग दोष खोजने लगेंगे।*

भावार्थ— आजकल जो व्यक्ति निकम्मा है अर्थात् कुछ नहीं करता, वही सुखी है। जब कोई व्यक्त कुछ काम करेगा तो समाज उसमें गलतियाँ ही निकालेगा। इससे तो अच्छा है कुछ न करो।

(ख) *झूठ तथा फरेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं।*

भावार्थ— झूठ और धोखाधड़ी करने वालों के काम-धंधे अधिक वृद्धि कर रहे हैं। बेईमानी करने वाले ही आजकल अमीर बन रहे हैं।

(ग) *सामाजिक क़ायदे-कानून कभी युग-युग से परीक्षित आदर्शों से टकराते हैं।*

भावार्थ— लंबे समय से चले आ रहे सामाजिक नियम कभी-कभी हमारे युगों-युगों के परीक्षित आदर्शों से टकराने लगते हैं। इसलिए ऐसे कानूनों में बदलाव जरूरी है।

(घ) *बुराई में रस लेना बुरी बात है, अच्छाई को उतना ही रस लेकर उजागर न करना और भी बुरी बात है।*

भावार्थ— किसी की बुराई को बताते समय उसमें रस नहीं लेना चाहिए। उसकी अच्छी आदत को भी प्रकट करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं करते तो आप उस व्यक्ति के साथ बुरा कर रहे हो।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

प्रत्यारोप—प्रत्य + आरोप
भ्रष्टाचार—भ्रष्ट + आचार
दुर्बोध—दुः + बोध
विचारोत्तेजक—विचार + उत्तेजक
आध्यात्मिकता—अध्यात्म + इकता
दोषोद्घाटन—दोष + उद्घाटन
आशातिरेक—आशा + अतिरेक
चित्ताकर्षक—चित्त + आकर्षक

2. इस पाठ से 'इक' तथा 'ईय' प्रत्यय वाले शब्द चुनकर लिखिए।

इक प्रत्यय वाले शब्द— सामाजिक, भौतिक, आंतरिक, स्वाभाविक।

ईय प्रत्यय वाले शब्द— यूरोपीय, भारतीय।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निषेधवाचक वाक्यों में बदलिए :

प्रश्न (क) देश में ईमानदार आदमी ही रह गए हैं।

उत्तर— देश में ईमानदार आदमी ही नहीं रह गए हैं।

प्रश्न (ख) जो कुछ करेगा, लोग उसे दोष देंगे।

उत्तर— जो कुछ नहीं करेगा, लोग उसे दोष नहीं देंगे।

प्रश्न (ग) भ्रष्टाचार को देखकर हताश हो जाना ठीक है।

उत्तर— भ्रष्टाचार को देखकर हताश हो जाना ठीक नहीं है।

प्रश्न (घ) भारतवर्ष ने भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व दिया है।

उत्तर— भारतवर्ष ने भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया है।

प्रश्न (ङ) व्यक्ति-चित्त सब समय आदर्शों द्‍वारा चालित होता है।

उत्तर— व्यक्ति-चित्त सब समय आदर्शों द्‍वारा चालित नहीं होता है।

4. उचित समुच्चयबोधक शब्दों से वाक्यों को जोड़कर एक वाक्य बनाइए—इन शब्दों के सूक्ष्म अर्थ भेद को लक्षित करते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

प्रश्न (क) आदित्य पढ़ रहा है। आदित्य की परीक्षाएँ निकट हैं।

उत्तर— आदित्य पढ़ रहा है **क्योंकि** उसकी परीक्षाएँ निकट हैं।

प्रश्न (ख) सोहेल नोएडा में रहता है। सोहेल बस से दिल्ली आता है।

उत्तर— सोहेल नोएडा में रहता है **इसलिए** वह बस से दिल्ली आता है।

प्रश्न (ग) साइकिल ठीक करा लो। साइकिल से बाज़ार जाया करो।

उत्तर— साइकिल ठीक करा लो **और** उससे बाज़ार जाया करो।

प्रश्न (घ) दीपा कब आई। दीपा रोहतक चली गई।

उत्तर— दीपा रोहतक चली गई **परंतु** वह कब आई?

प्रश्न (ङ) निरंजन बहुत अच्छा है। निरंजन महात्मा लगता है।

उत्तर— निरंजन इतना अच्छा है **कि** वह महात्मा लगता है।

ज्ञान-विस्तार

विद्‍यार्थी स्वयं करें।

9. गूदड़ साँईं

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) 2. (क) 3. (ग) 4. (घ) 5. (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. साँईं की तृप्ति का कारण क्या था ?

उत्तर— गूदड़ साँईं वैरागी था। उसे माया से मोह नहीं था।

प्रश्न 2. साँईं एक लड़के के पीछे क्यों दौड़ पड़ा ?

उत्तर— साँईं का गूदड़ एक लड़का खींचकर भागा, इसलिए साँईं उसके पीछे दौड़े।

प्रश्न 3. साँईं क्यों रोने लगा ?

उत्तर— साँईं लड़के को रोते देखकर रोने लगा।

प्रश्न 4. किसने कहा, किससे कहा ?

(क) 'तब चीथड़े के लिए दौड़ते क्यों थे ?'

उत्तर— मोहन के पिता ने गूदड़ साँईं से कहा।

(ख) 'मेरे पास दूसरी कौन वस्तु है, जिसे देकर इन 'रामरूप' भगवान को प्रसन्न करता ?

उत्तर— गूदड़ साँईं ने लड़के से कहा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'गूदड़ साँईं की क्या आदत थी ?

उत्तर— गूदड़ साँईं को आदत थी कि वह दोपहर को मोहन के घर जाता और अपने दो-तीन गंदे गूदड़ों पर बैठकर मोहन से बातें करता था।

प्रश्न 2. मोहन के पिता मोहन पर क्यों बिगड़े ?

उत्तर— मोहन के पिता इसलिए बिगड़े क्योंकि उन्होंने मोहन को गूदड़ साँईं को रोटी देते तथा उससे बातें करते देख लिया था। मोहन के पिता को यह सब पसंद नहीं था।

प्रश्न 3. नटखट लड़के के सिर पर चपत क्यों पड़ने लगी ?

उत्तर— नटखट लड़का साँईं का गूदड़ लेकर भाग रहा था इसलिए उसके सिर पर चपत पड़ने लगी।

प्रश्न 4. साँईं गूदड़ क्यों रखता था ?

उत्तर— साँईं गूदड़ इसलिए रखता था ताकि वह इसे देकर ईश्वर को प्रसन्न कर सके।

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) तब उस साँईं के मुख पर पवित्र मैत्री के भावों का **साम्राज्य** छा जाता।

(ख) बालक का मुँह पोंछते हुए मित्र के समान **गलबाहीं** डाले हुए साँईं चला गया।

(ग) गूदड़ साँईं! तुम निरे गूदड़ नहीं, गुदड़ी के **लाल** हो।

प्रश्न 6. आशय स्पष्ट कीजिए :

'इस चीथड़े को लेकर भागते हैं भगवान, और मैं उनसे लड़कर छीन लेता हूँ, रखता हूँ फिर उन्हीं से छिनवाने के लिए। उनके मनोविनोद के लिए। सोने का खिलौना तो उचक्के भी छीनते हैं, पर चीथड़ों पर भगवान ही दया करते हैं।'

आशय— गूदड़ साँईं एक चीथड़ा गूदड़ रखता था। उसके गूदड़ को भगवान लेकर भागते थे। साँईं को दिव्य दृष्टि प्राप्त थी। वह बालकों की निरीहता एवं लीलाओं में भगवान का रूप खोज लेता था। यही कारण है कि गूदड़ लेकर भागने और छीनने में वह भगवान की लीला की अनुभूति करता है।

प्रश्न 7. 'गूदड़ साँईं' का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर— गूदड़ साँईं बाह्य वेशभूषा से एक बैरागी प्रतीत होता था, उसे माया-मोह नहीं था। वह गंदे गूदड़ ही रखता था। उन्हीं पर बैठकर मोहन से बातें करता था। गूदड़ साँईं बहुत संतोषी स्वभाव का था। उसे मोहन से जैसा भोजन मिलता था, वही खा लेता था। वह सहृदय था तभी तो वह उस बालक को भी पीटते नहीं देख पाता जो उसका गूदड़ लेकर भाग जाता है।

भाषा-बोधन

1. इसी प्रकार के पाँच-पाँच वाक्य आप भी बनाइए।

विधानार्थी वाक्य	निषेधात्मक वाक्य
(क) रवि ने परीक्षा दी।	(क) रवि ने परीक्षा नहीं दी।
(ख) अक्षय को बिजनौर जाना पड़ा।	(ख) अक्षय बिजनौर नहीं गया।
(ग) यह एक ऐतिहासिक घटना थी।	(ग) यह ऐतिहासिक घटना नहीं थी।
(घ) यह दुकान मेरे चाचा की है।	(घ) यह दुकान मेरे चाचा की नहीं है।
(ङ) मेरे मित्र ने मुझे घड़ी दी।	(ङ) मेरे मित्र ने मुझे घड़ी नहीं दी।

2. पाँच प्रश्नार्थक वाक्य बनाइए।

(क) आप कब आए?
(ख) तुम दिल्ली क्यों जा रहे हो?
(ग) वह किससे मिलने आया है?
(घ) दीपक कहाँ गया है?
(ङ) काव्या यहाँ किसका इंतजार कर रही है?

3. विस्मयादिबोधक शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

(क) हाय! यह क्या हो गया।
(ख) अहा! कितना सुंदर दृश्य है।
(ग) अरे! तुम यहाँ कब आए?

4. निम्नलिखित वाक्यों के प्रकार लिखिए :

(क) आपका एहसान मैं कभी नहीं भूलूँगा। — निषेधात्मक वाक्य

(ख) कश्मीर कितना सुंदर है! — विस्मयादिबोधक वाक्य

(ग) मीठी बोली किसको नहीं भाती? — प्रश्नवाचक वाक्य

5. कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार अर्थ न बदलते हुए निम्नलिखित वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(क) मैं कचहरी में एक पेड़ के निकट नहीं खड़ा था। (निषेधात्मक)

(ख) क्या लोगों में दुखों का आर-पार नहीं था? (प्रश्नार्थक)

(ग) आह! अंगारों पर चलना मुश्किल था। (उद्‌गारवाचक)

(घ) दृश्य कितना भयानक था। (विधानार्थक)

6. निम्नलिखित वाक्यों में कारकों के भेद बताइए :

(क) ढोंगी फ़क़ीरों पर उनको साधारण और स्वाभाविक चिढ़ थी। — अधिकरण कारक

(ख) साँईं आँखों से ओझल हो गया। — अपादान कारक

(ग) मोहन के पिता ने साँईं से पूछा। — संबंध कारक

(घ) तुम गुदड़ी के लाल हो। — संबंध कारक

ज्ञान-विस्तार

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

10. हिमालय की चोटी पर

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (घ) 2. (क) 3. (घ) 4. (क) 5. (ख) 6. (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. इस कविता का मूल भाव क्या है?

उत्तर—इस कविता का मूल भाव है—जीवन निरंतर आगे बढ़ने का नाम है। इसके लिए उत्साह और जोश की आवश्यकता है।

प्रश्न 2. आगे बढ़ने के लिए क्या आवश्यक है ? सही उत्तर पर ठीक (✔) का चिह्न लगाइए :

उत्तर— (ङ) उपर्युक्त सभी उत्तर सही हैं (✔)

प्रश्न 3. कवि के अनुसार हमें निरंतर आगे क्यों बढ़ना चाहिए।

उत्तर— कवि के अनुसार हमें निरंतर आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि जीवन रुकने का नाम नहीं है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. इस कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर— इस कविता में उत्साह और जोश का स्वर गूँजा है। जीवन निरंतर आगे बढ़ने का नाम है। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और अदम्य साहस तथा विश्वास की आवश्यकता है। हिमालय के शिखर छूना तरक्की की उच्चतम सीमा है। हमें अपने उत्साह को बहुत ऊपर तक ले जाना है। हमें सभी चट्टानों से टक्कर लेनी है और ऊँचाई पर पहुँचना है। हमारे लक्ष्य का कहीं कोई अंत नहीं है। शरीर तो मर सकता है पर प्राण नहीं। अभी हमें बुलंदियाँ छूनी हैं।

प्रश्न 2. प्राप्य मंज़िल को ही अंत मान लेने पर क्या होगा ?

उत्तर— प्राप्य मंज़िल को ही अंत मान लेने पर जीवन में आगे बढ़ने तथा नई ऊँचाइयों को छूने की इच्छा समाप्त हो जाएगी। जीवन में मुसीबतें तो आती ही हैं उनसे घबराकर रुकना नहीं चाहिए।

प्रश्न 3. कवि का मुख्य आह्वान है—निरंतर आगे बढ़ने का। कवि के अरमान क्या हैं ?

उत्तर— कवि ने निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया है। उसके अरमान हैं कि चाहे हिमालय की चोटी पर चढ़े हैं तो उससे भी ऊपर चढ़ना है। हमारे अभियानों, संघर्षों, संधानों, सिद्धियों तथा निर्माणों का अंत नहीं होना चाहिए। कवि का मानना है कि सफलता का कोई अंत नहीं है इसलिए हमें जीवन में लगातार आगे ही बढ़ना चाहिए।

प्रश्न 4. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *अंत सिद्धियों का है, लेकिन निर्माणों का अंत कहाँ?*

आशय— सिद्धियों को पाकर उनका अंत हो सकता है परंतु निर्माण कार्य निरंतर चलता रहता है। उनका अंत असंभव है।

(ख) *किंतु डूबने या गिरने हमने न दिया तरुणाई को।*

आशय— देश की युवा पीढ़ी को हमने कमजोर होकर डूबने या गिरने नहीं दिया। उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की ही प्रेरणा दी है।

(ग) *मानव-पुतलों के अज्ञेय सपनों का झंडा और उठे।*

आशय— मानव के अज्ञात सपनों को अभी साकार होना है। उसके अज्ञेय सपनों के झंडे को और अधिक ऊँचाई छूनी है।

(घ) *ऊँचा है बलिदान हमारा, जीवन के अरमानों से।*

आशय— इस देश को आज़ाद कराने में अनेक वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी है जिनके सामने हमारे जीवन के अरमान छोटे हैं।

प्रश्न 5. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अंत पहाड़ों का है,
लेकिन अभियानों का अंत कहाँ?
संघर्षों का अंत कहाँ है?
संधानों का अंत कहाँ?
अंत सिद्धियों का है,
लेकिन निर्माणों का अंत कहाँ?
अंत देह का हो सकता है,
पर प्राणों का अंत कहाँ?

प्रसंग— प्रस्तुत काव्यांश रामदयाल पांडेय द्वारा रचित कविता 'हिमालय की चोटी पर' से अवतरित है।

व्याख्या— कवि बताता है कि पहाड़ों का तो अंत हो सकता है पर हमारे अभियान चलते रहते हैं। संघर्ष और लक्ष्य का कभी अंत नहीं होता। सिद्धियों को पाकर उनका अंत हो सकता है, पर निर्माण का काम निरंतर चलता रहता है। हमारा शरीर तो मर सकता है, पर प्राणों (आत्मा) का कभी कोई अंत नहीं होता।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

हिमालय	—	हिम + आलय		**विंध्याचल**	—	विंध्य + अचल
पुरुषार्थ	—	पुरुष + अर्थ		**संधान**	—	सन् + धान

2. अलंकार भेद बताइए :

(क) गिर-गिरकर चढ़-चढ़कर हमने नाप लिया ऊँचाई को। **अनुप्रास अलंकार**

(ख) अभियानों के, निर्माणों के, व्रत का झंडा और उठे, **अन्योक्ति अलंकार**
मानव-पुतलों के अज्ञेय सपनों का झंडा और उठे।

(ग) जंजीरों में बँध-बँधकर बँधने न दिया अंगड़ाई को। **अनुप्रास अलंकार**

3. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय छाँटिए :

ऊँचाई	—	आई	**हिमालय**	—	आलय
बलिदान	—	दान	**तरुणाइर्**	—	आई
गढ़नी	—	नी	**स्वाभाविक**	—	इक

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

11. दक्षिण गंगा गोदावरी

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क)   **2.** (ख)   **3.** (घ)   **4.** (क)   **5.** (ग)   **6.** (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखक ने गोदावरी को दक्षिण की गंगा क्यों कहा है ?

उत्तर— दक्षिण में गोदावरी का वही महत्व है जो उत्तर में गंगा का है।

प्रश्न 2. दक्षिण गंगा गोदावरी के रास्ते लेखक किन-किन स्थानों से होकर गुजरा ?

उत्तर— दक्षिण गंगा गोदावरी के रास्ते लेखक मद्रास, राजमहेंद्री, बेज़वाड़ा से होकर गुजरा।

प्रश्न 3. लेखक ने नदी को 'लोकमाता' क्यों कहा है ?

उत्तर— लेखक ने नदी को लोकमाता इसलिए कहा है क्योंकि नदी भी माता के समान हमारा भरण-पोषण करती है।

प्रश्न 4. पश्चिम और पूरब की गोदावरी में क्या अंतर था ?

उत्तर— गोदावरी नदी पश्चिम की अपेक्षा पूरब में ज्यादा चौड़ी थी।

प्रश्न 5. गोदावरी हमारे पूर्वजों की अधिष्ठात्री देवी कैसे हैं ?

उत्तर— लेखक ने गोदावरी को हमारे पूर्वजों की अधिष्ठात्री देवी इसलिए कहा है क्योंकि यह नदी हमारे पूर्वजों के समय से ही बह रही है तथा उनका भरण-पोषण भी इसी ने किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखक द्वारा बेज़वाड़ा और राजमहेंद्री के बीच के दृश्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर— बरसात के दिन थे। चारों ओर हरियाली छाई हुई थी, एक नहर में नौकाएँ तितलियों के समान लग रही थीं। आसमान में बादल घिरे हुए थे, धूप कहीं नजर नहीं आ रही थी। गोदावरी मटमैली लग रही थी। बेजवाड़ा में कृष्णा नदी के दर्शन अविस्मरणीय थे। बेजवाड़ा और राजमहेंद्री के बीच का दृश्य लेखक को अत्यंत मनमोहक लगा।

प्रश्न 2. लेखक ने गोदावरी के प्रवाह की कौन-कौन सी विशेषताएँ बतलाई हैं ?

उत्तर— गोदावरी का अखंड प्रवाह पहाड़ों से निकलता हुआ अपनी गौरव गाथा को वर्णित कर रहा था। नदी में कहीं-कहीं भँवर पड़ रहे थे। ये भँवर न जाने कहाँ से

आते और कहाँ चले जाते। नदी के प्रवाह में छोटे-बड़े जहाज बच्चों की तरह उछल-कूद मचा रहे थे। नदी की धारा कहीं प्रचंड रूप धारण कर लेती और कहीं शांत होकर बहने लगती।

प्रश्न 3. गोदावरी समुद्र से किस प्रकार मिलती है ?

उत्तर— गोदावरी नदी कई मार्गों से गुजरती हुई, धीर-गंभीर माता की तरह समुद्र में मिलती है। जब नदी समुद्र से मिलती है तो बैचेन और उत्तेजित होने लगती है, परंतु गोदावरी शांत और गंभीर दिखती है।

प्रश्न 4. गोदावरी के पाट के दरमियान टापुओं के विषय में लेखक ने क्या लिखा है ?

उत्तर— गोदावरी के टापू अत्यंत प्रसिद्ध हैं। यहाँ बगुले अपने पैरों के गहरे निशान छोड़े बगैर नहीं जाते। कुछ टापू पुराने हैं तथा कुछ नया रूप प्राप्त कर लेते हैं।

प्रश्न 5. गोदावरी के प्रवाह के किनारे के सृष्टि-सौंदर्य की विविधता और विपुलता का वर्णन कीजिए।

उत्तर— नदी का किनारा मनुष्य की कृतज्ञता का अखंड उत्सव प्रतीत होता है। नदी के किनारे पर सफेद महल तथा मंदिर बने हैं, जिनके शिखर ऊँचे-ऊँचे हैं। इन मंदिरों के घंटों के नाद लहरों के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पहुँच जाते हैं। भारतवासी इस नदी के किनारों पर गंगा जल का आधा कलश उँडेलकर यहाँ से कलश पूरा भरते हैं।

प्रश्न 6. नदी के किनारे को लेखक ने मानवी कृतज्ञता का अखंड उत्सव क्यों कहा है ?

उत्तर— भारतवासी संस्कृति के उपासक हैं। वे नदी के किनारे बने मंदिरों पर अपनी श्रद्धा व्यक्त करने जाते हैं जहाँ उत्सव जैसा माहौल होता है। इसलिए लेखक ने नदी के किनारे को मानवी कृतज्ञता का अखंड उत्सव कहा है।

प्रश्न 7. इस पाठ के किस अंश से पता चलता है कि यह पाठ स्वतंत्रता-प्राप्ति के पूर्व लिखा गया था ?

उत्तर— "अगर हम आधुनिक संस्कृति के इस प्रतिनिधि से नफरत करना छोड़ दें तो रेल के पहिये का ताल कुछ कम आकर्षक नहीं लगता।" इस अंश से पता चलता है कि यह पाठ स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व लिखा गया था।

प्रश्न 8. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *लेकिन बच्चों की उपमा तो इन नावों की अपेक्षा प्रवाह में जहाँ-तहाँ पड़ते हुए भँवरों को देनी चाहिए।*

आशय— लेखक ने गोदावरी नदी में बहते छोटे-बड़े जहाजों को बच्चों की संज्ञा दी है। परंतु बाद में लेखक नावों की जगह नदी में कहीं-कहीं पड़ने वाले भँवरों को बच्चों की उपमा देना चाहता है। भँवर अपने आप पैदा होते हैं और पता नहीं कहाँ गायब हो जाते हैं।

(ख) *कई तो पुराने धर्म की तरह जहाँ के तहाँ स्थिर-रूप होकर जमे हुए हैं।*

आशय— गोदावरी नदी पर अत्यंत प्रसिद्ध टापू हैं। उनमें कई टापू तो हमारे धर्मों की तरह जहाँ थे वहीं स्थिर हैं अर्थात् जिस प्रकार हमारे धर्मों में कोई बदलाव नहीं हुए हैं उसी प्रकार ये टापू एक ही स्थान पर स्थिर हैं।

(ग) *नदी का किनारा यानी मनुष्य की कृतज्ञता का अखंड उत्सव।*

आशय— गोदावरी नदी के किनारे पर उत्सव जैसा माहौल होता है। वहाँ अनेक भारतवासी लोकमाता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने आते हैं। नदी का किनारा मनुष्य की संपूर्ण आस्था तथा कृतज्ञता का प्रतीक बन गया है।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनके अर्थों में अंतर स्पष्ट हो जाए :

अमूल्य — मित्रता **अमूल्य** गुण है।

बहुमूल्य — तुम्हारे गले का हार बहुत **बहुमूल्य** लग रहा है।

आशा — उसके बचने की कोई **आशा** नहीं है।

अभिलाषा — हर व्यक्ति की जीवन में कुछ न कुछ **अभिलाषा** होती है।

साथी — इस खेल प्रतियोगिता में तुम किसे अपना **साथी** चुनोगे।

सहयोगी — रोहित एक **सहयोगी** की तरह आया और सामान उठाने में उसने मेरी मदद की।

आदर — हमें बड़ों का **आदर** करना चाहिए।

श्रद्धा — भारतवासी भगवान के प्रति **श्रद्धा** रखते हैं।

विविध — भारत में **विविध** धर्मोंके लोग रहते हैं।

विभिन्न — प्रदर्शनी में **विभिन्न** प्रकार की मूर्तियाँ थीं।

अनिवार्य — विद्यालय में यूनीफॉर्म पहनकर आना **अनिवार्य** है।

आवश्यक — **आवश्यक** वस्तुओं की सूची बनाओ।

विस्तृत — थार रेगिस्तान बहुत **विस्तृत** है।

विशाल — व्हेल पृथ्वी पर **विशाल** जीव है।

आशंका — पुलिस ने हत्या के पीछे लूटपाट की **आशंका** जताई है।

संदेह — मुझे तुम्हारी हरकतों पर पहले ही **संदेह** था।

2. विशेषण पदबंध

(क) दूर-दूर पहाड़ियों की श्रेणियाँ नजर आईं।

(ख) गोदावरी के **धूल-धूसरित मटमैले जल** की झाँईं और भी गहरी हो रही थी।

(ग) रंग-बिरंगे बादलों वाला आसमान नहाने के लिए उतरता हुआ दिखाई पड़ता है।

3. क्रिया के अपूर्ण भूतकाल के चार उदाहरण छाँटिए। उन क्रियाओं को अपूर्ण वर्तमानकाल में बदलकर उन वाक्यों को दोबारा लिखिए।

(क) एक नहर रेल की सड़क के किनारे-किनारे बह रही थी। *(अपूर्ण भूतकाल)*

— एक नहर रेल की सड़क के किनारे-किनारे बह रही है। *(अपूर्ण वर्तमान काल)*

(ख) जहाँ-तहाँ विविध छटावली हरियाली फैल रही थी। *(अपूर्ण भूतकाल)*

— जहाँ-तहाँ विविध छटावली हरियाली फैल रही है। *(अपूर्ण वर्तमान काल)*

(ग) गोदावरी के धूल-धूसरित मटमैले जल की झाँईं और भी गहरी हो रही थी। *(अपूर्ण भूतकाल)*

— गोदावरी के धूल-धूसरित मटमैले जल की झाँईं और भी गहरी हो रही है। *(अपूर्ण वर्तमान काल)*

(घ) उनमें वन-श्री की शोभा पूरी-पूरी खिल रही थी। *(अपूर्ण भूतकाल)*

— उनमें वन-श्री की शोभा पूरी-पूरी खिल रही है। *(अपूर्ण वर्तमान काल)*

4. निम्नलिखित वाक्यों को इसी प्रकार परिवर्तित कीजिए :

(क) नौकर तरकारी खरीदता है। वह घर लाता है।

नौकर तरकारी खरीदकर घर लाता है।

(ख) मैंने वह आवाज़ सुनी। मैं देखने के लिए बाहर गया।

मैं वह आवाज़ सुनकर देखने के लिए बाहर गया।

5. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए :

मस्त—मस्ती	**ऊँचा**—ऊँचाई	**अल्हड़**—अल्हड़पन
गहरा—गहराई	**बूढ़ा**—बुढ़ापा	

6. अर्थ स्पष्ट करते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

अथाह—बहुत गहरा, अपार

इस समुद्र की **अथाह** नापना आसान नहीं है।

(मन) मचलना—उतावला होना

खिलौने के लिए बच्चे का मन **मचलने** लगा।

उधेड़-बुन में होना—सोच विचार या चिंता में होना

बेटे के भविष्य के बारे में सोच कर पिता गहरी **उधेड़-बुन में खो गया**।

शान-शौक़त—ठाठ-बाट

प्राचीन काल में राजा-महाराजाओं की **शान-शौक़त** ही अलग होती थी।

स्वाँग रचना—तमाशा करना

दुल्हे का पिता विवाह के समय कन्या के पिता के सामने दहेज को लेकर **स्वाँग रचने** लगा।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

12. अणु बम के बारे में नहीं

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ग) 5. (ग) 6. (क) 7. (ख) 8. (ग)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'अणु बम के बारे में नहीं' पाठ में पश्चिम और पूरब के घर वालों में लड़ाई का मुख्य कारण क्या था?

उत्तर— पश्चिम और पूरब के घर वालों में लड़ाई का मुख्य कारण एक-दूसरे पर शक करना था।

प्रश्न 2. 'अणु बम के बारे में नहीं' पाठ में स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए दोनों ओर के घरवालों ने क्या-क्या हथियार एकत्र किए?

उत्तर— बंदूकें और लाठियाँ।

प्रश्न 3. 'अणु बम के बारे में नहीं' पाठ में मदारी ने क्या किया?

उत्तर— मदारी ने दोनों पक्षों को साँप दे दिए।

प्रश्न 4. 'अणु बम के बारे में नहीं' पाठ में गाँव वाले क्यों डर रहे थे?

उत्तर— गाँव वाले दोनों दुष्टों के घरों में पल रहे साँपों से डर रहे थे।

प्रश्न 5. 'अणु बम के बारे में नहीं' पाठ में साधु बाबा ने दोनों घर वालों को क्या समझाया?

उत्तर— साधु बाबा ने समझाया कि दोनों घर वाले अपना-अपना साँप जला दे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. युद्ध का मुख्य कारण क्या होता है?

उत्तर— युद्ध का मुख्य कारण एक-दूसरे के प्रति शक, ईर्ष्या और द्वेष की भावना होता है।

प्रश्न 2. दोनों घर वालों ने मदारी पर भरोसा किया। मदारी ने दोनों को क्या धोखा दिया?

उत्तर— दोनों घर वालों ने मदारी से साँप ले लिए। उन्होंने सोचा कि मदारी दूसरे घर वाले को साँप के बारे में नहीं बताएगा। परंतु मदारी ने दोनों पक्षों को साँप देकर उन्हें धोखा दिया।

प्रश्न 3. शक अथवा अविश्वास किस प्रकार हमारे जीवन में जहर घोल देते हैं? 'अणु बम के बारे में नहीं' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर— इस पाठ में लेखक ने शक और ईर्ष्या की भावना से पैदा होने वाले बुरे परिणामों के बारे में बताया है। दोनों घरवालों के एक-दूसरे के प्रति शक करने से सारा गाँव नष्ट हो गया। दोनों घरवाले अपने-अपने घरों में हथियार एकत्रित करते हैं तथा साँपों को पालते हैं। साँपों के डर से गाँव वाले काम पर नहीं जाते जिससे उनकी फसलें नष्ट हो जाती हैं। गाँव में भुखमरी फैल जाती है और पूरा गाँव नष्ट हो जाता है। शक और अविश्वास से जीवन में कष्ट ही कष्ट आते हैं।

प्रश्न 4. 'अणु बम के बारे में नहीं' कहानी के द्वारा लेखक क्या शिक्षा देना चाह रहा है ?

उत्तर— इस कहानी के द्वारा लेखक यह शिक्षा देना चाहता है कि हमें एक-दूसरे पर शक अथवा अविश्वास नहीं करना चाहिए। आपस में हथियारों की होड़ अंततः बर्बादी का कारण बनता है।

प्रश्न 5. 'अणु बम के बारे में नहीं' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर— महेशपुर गाँव में दो दुष्ट रहते थे। वे एक-दूसरे पर शक करते थे। उनकी पत्नियाँ उनकी शक-भावना को और अधिक बढ़ा देती हैं और वे दोनों अपने-अपने घरों में हथियार एकत्रित करते हैं। दोनों अपने-अपने घर में जहरीले साँप पालते हैं। गाँव वालों को जब साँपों के बारे में पता चलता है तो वे बहुत डर जाते हैं। वे उन दोनों दुष्टों को बहुत समझाते हैं परंतु वे अपने-अपने साँपों को छोड़ने को तैयार नहीं होते। इससे गाँव में डर का माहौल पैदा हो जाता है। लोगों ने साँपों के डर से खेतों में काम करना बंद कर दिया। गाँव में अकाल पड़ गया और पूरा गाँव नष्ट हो गया।

प्रश्न 6. 'अणु बम के बारे में नहीं' पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए : संयत बुद्धि द्वारा कर्तव्य-पालन।

आशय— हमें संयत बुद्धि का प्रयोग करते हुए अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए।

भाषा-बोधन

विद्यार्थी स्वयं करें।

1. निम्नलिखित प्रश्नों का उच्चारण सही अनुपात में कीजिए :

2. मानक लिपि के प्रयोग की दृष्टि से कौन-कौन सा शब्द रूप ठीक है ?

(क) बुद्धि (ग) बुद्धि (घ) बुद्धि

3. उपरि-विराम (' ') का प्रयोग कब करते हैं ? सही उत्तर पर ठीक (✔) का चिह्न लगाइए।

(ग) जब दूसरे की बात उद्धृत कर रहे हों। (✔)

4. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए :

(क) ''देखना, यह आदमी किसी-न-किसी दिन हमारे घर को आग लगा कर ही छोड़ेगा।''

(ख) "तब क्या किया जाए?" पति ने पत्नी से सलाह माँगी।

(ग) "यह तुमने अच्छा इंतज़ाम कर लिया," पति ने प्रसन्न होते हुए कहा— "लेकिन साँप हमारा कहना थोड़े ही मानेगा?"

(घ) समस्त विद्या, समस्त ज्ञान, समस्त अध्ययन आदि का फल एक ही है।

5. नीचे दिए गए शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

नियमानुसार — नियम + अनुसार **संदिग्धावस्था** — संदिग्ध + अवस्था

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

13. शेर शिवाजी

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ग) **2.** (घ) **3.** (क) **4.** (क) **5.** (घ) **6.** (क) **7.** (घ) **8.** (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. आगरा में ताजमहल की स्थिति शिवाजी को कैसी प्रतीत हुई ?

उत्तर— शिवाजी को ताजमहल आगरा जैसे रेगिस्तान में नखलिस्तान जैसा प्रतीत हुआ।

प्रश्न 2. रामसिंह को किस बात की हैरानी थी ?

उत्तर— रामसिंह को हैरानी थी कि एक दिन शिवाजी के साथ ऐसी कौन-सी बात हो गई कि उन्होंने जमीन-आसमान एक कर दिया।

प्रश्न 3. शिवाजी का सपना क्या था ?

उत्तर— शिवाजी का हिंदवी स्वराज्य का सपना था।

प्रश्न 4. शिवाजी 'कुछ न करने का खूबसूरत बहाना' किसे मानते हैं ?

उत्तर— शिवाजी मौका मिलने की राह देखना 'कुछ न करने का खूबसूरत बहाना' मानते हैं।

प्रश्न 5. आलमगीर क्या करने में असमर्थ हैं ?

उत्तर— आलमगीर शिवाजी द्वारा जलाई गई स्वराज्य प्राप्ति की आग को बुझाने में असमर्थ हैं।

प्रश्न 6. रामसिंह ने शिवाजी को कौन-सा आश्वासन दिया ?

उत्तर— रामसिंह ने शिवाजी को अपने प्राण देने का आश्वासन दिया। उसने शिवाजी से कहा कि हम आपके खातिर अपनी जान तक दे सकते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. स्मारक अथवा स्मृति-चिह्न बनाने के संबंध में शिवाजी के क्या विचार हैं ?

उत्तर— स्मारक या स्मृति-चिह्न बनवाना शिवाजी को व्यर्थ लगता है। शिवाजी स्मारक बनवाने में अपनी आधी ज़िंदगी लगा देना बेकार मानते हैं। उनके विचार से मनुष्य को ऐसा काम करना चाहिए कि उसके नाम को याद रखने के लिए मकबरा बनवाने की जरूरत न पड़े।

प्रश्न 2. औरंगजेब के दरबार में शिवाजी ने अपमान क्यों महसूस किया ?

उत्तर— शिवाजी को औरंगजेब से संधि करनी पड़ी, परंतु उनमें देशभक्ति और स्वाभिमान की भावना कूट-कूटकर भरी हुई थी। वे स्वयं को स्वतंत्र मानते थे, उन्हें औरंगजेब की गुलामी मंजूर नहीं थी। इसलिए शिवाजी ने औरंगजेब के दरबार में स्वयं को अपमानित महसूस किया।

प्रश्न 3. शिवाजी स्वयं को सारे हिंदुस्तान से जुड़ा हुआ क्यों मानते थे ?

उत्तर— शिवाजी स्वयं को हिंदुस्तान से जुड़ा हुआ इसलिए मानते हैं क्योंकि उनका इतिहास, भाग्य, धर्म और भविष्य उन्हें अपने देश से जोड़ते हैं। वे स्वयं को हर उस आत्मा से जुड़ा हुआ मानते हैं जिसके हृदय में असंतोष की आग जल रही है।

प्रश्न 4. शिवाजी ने रामसिंह के अस्तित्व को मिथ्या क्यों माना है ?

उत्तर— शिवाजी रामसिंह के अस्तित्व को मिथ्या मानते हैं क्योंकि उनमें स्वाभिमान की भावना नहीं है। वह बादशाह की गुलामी को स्वामिभक्ति मानते हैं। रामसिंह के मन में भय और आतंक है जिसकी वजह से वे केवल बादशाह का ही जयघोष करते हैं। शिवाजी ऐसे व्यक्ति के अस्तित्व को निरर्थक मानते हैं।

प्रश्न 5. शिवाजी ने रामसिंह को मान-सम्मान और स्वामिभक्ति का यथार्थ ज्ञान किस प्रकार दिया ?

उत्तर— शिवाजी ने राणा सांगा, राणा प्रताप और महारानी पद्मिनी के उदाहरण देकर रामसिंह को मान-सम्मान और स्वामिभक्ति का यथार्थ ज्ञान कराया।

प्रश्न 6. निम्नलिखित उद्धरणों का संदर्भसहित आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *उस फूल की तरह जिए जो कुम्हलाकर मिट्टी में मिल तो जाता है, मगर मिट्टी को खुशबूदार कर देता है।*

आशय— शिवाजी उस फूल के जीवन को धन्य मानते हैं जो मरकर भी मिट्टी में अपनी सुगंध छोड़ जाता है। जीवन के कारनामे सुगंध फैलाने वाले होने चाहिए।

(ख) *सोच रहे थे कि जब नींव में हज़ारों मामूली खुरदरे पत्थर अपने को दफ़ना देते हैं तब कहीं एक सपना साकार हो पाता है।*

आशय— जब सामान्य लोग अपना बलिदान देते हैं तभी किसी की कल्पना साकार रूप धारण कर पाती है। प्रत्येक उपलब्धि के पीछे कुछ अन्य लोगों का बलिदान छिपा रहता है।

(ग) *अगर इस बाक़ी को देखने-समझने से इंकार कर दें तो जहान में चींटी—इतनी जान बचाकर ही क्या कर लेंगे?*

आशय— शिवाजी का मानना है कि यदि हम देशप्रेम और स्वाभिमान को भूल जाएँ तो हमारा इस दुनिया में जीना व्यर्थ है। अपने कर्तव्यों से अधिक अपनी छोटी-सी जान की परवाह करना निरर्थक है।

भाषा-बोधन

1. नुक्ता युक्त शब्दों को लिखिए।

नुक्ता युक्त शब्द— ज़िदगी, महज़, ग़ौर, फ़ाक़ाकशी, दग़ा, मुलाक़ात, रोज़, कब्ज़े, तरफ़, वाकिफ़, मौक़ा, नज़दीक, खिलाफ़, इज़ाज़त, आख़िर, ख़ैरैज, नज़रबंदी, गिरफ्तार, क़ैदख़ाने, दफ़ना, गुस्ताख़ी, बाक़ी, ताक़त, फ़ौलाद, शख़्स, क़ैद, साज़िशें आदि।

2. इस पाठ में आए अरबी-फ़ारसी शब्द चुनिए और उनका हिंदी पर्याय लिखिए।

अरबी-फ़ारसी शब्द	हिंदी पर्याय
ज़िदगी	जीवन
ग़ौर	सोच-विचार, चिंतन
बेख़बर	अनजान
मुलाक़ात	मिलना, भेंट
रोज़	प्रतिदिन
मौक़ा	अवसर
खिलाफ़	विरुद्ध
इज़ाज़त	मंजूरी देना
क़ैद	बंधन, कारावास
कैद़खाने	बंदीगृह, जेलखाना
बाक़ी	बचा हुआ

3. ऐसे पाँच वाक्य लिखिए जिनमें प्रेरणार्थक क्रियाएँ हों।

(क) पिता जी माली से पौधों को पानी दिलवाते हैं।

(ख) माँ नौकर से कपड़े धुलवाती है।

(ग) मैं छात्रों से पत्र लिखवाता हूँ।

(घ) भाई बहन से राखी बँधवाता है।

(ङ) मालिक नौकर से गाड़ी साफ करवाता है।

4. नीचे लिखे वाक्यों में उपयुक्त स्थानों पर अल्पविराम, पूर्णविराम और प्रश्नवाचक चिह्नों का प्रयोग कीजिए :

(क) बीस साल से भी ज्यादा? **(ख)** आप मुस्करा रहे हैं?

(ग) आप बजा फ़रमाते हैं, राजासाहब। **(घ)** हमारे एक सवाल का ज़वाब देंगे?

(ङ) महाराज, दग़ा, धोखा। **(च)** सत्यानाश हो गया महाराज!

5. नीचे लिखे वाक्यों को उदाहरण के अनुसार परिवर्तित कीजिए :

(क) हम आपके दर्द को पहचानते हैं।

⇒ हमसे आपका दर्द पहचाना जा सकेगा।

(ख) हम क्यों अपमान सहते ?

⇒ हमसे क्यों अपमान सहा जा सकेगा?

(ग) उसकी जलाई आग नहीं बुझती।

⇒ उसकी जलाई आग नहीं बुझ सकेगी।

(घ) वे नहीं जान पाएँगे उस कसक को।

⇒ उनसे नहीं जाना जा सकेगा उस कसक को।

(ङ) हम क़ैदख़ाने में नहीं रहेंगे।

⇒ हमसे क़ैदख़ाने में नहीं रहा जा सकेगा।

ज्ञान-विस्तार

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

14. जलियाँवाला बाग़ में बसंत

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— **1.** (ग) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (ख) **6.** (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. बसंत ऋतु को जलियाँवाला बाग़ में धीरे-से आने और मौन रहने के लिए क्यों कहा गया है ?

उत्तर— क्योंकि वह शोक का स्थान है।

प्रश्न 2. कवयित्री ने जलियाँवाला बाग़ की उजड़ी हुई स्थिति का चित्रण किन शब्दों में किया है ?

उत्तर— जलियाँवाला बाग में कोयल की जगह कौए बोल रहे हैं, कीड़े घूम रहे हैं तथा अधखिली कलियाँ काँटों में मिल गई हैं। पौधे और फूल सूख गए हैं अथवा झुलस गए हैं।

प्रश्न 3. 'जलियाँवाला बाग़ में बसंत' कविता में शहीद बालकों की स्मृति में कलियाँ बिखेरने के आग्रह के पीछे क्या भावना है ?

उत्तर— क्योंकि बालक कोमल कलियों के समान होते हैं इसलिए शहीद बालकों की स्मृति में कलियाँ बिखेरने का आग्रह किया गया है।

प्रश्न 4. जलियाँवाला बाग़ में प्रवेश करते समय बसंती हवा से क्या सावधानी बरतने को कहा गया है ?

उत्तर— जलियाँवाला बाग़ में बसंती हवा मंद गति से चलना और अपने साथ दुख की आहें मत लाना।

प्रश्न 5. 'जलियाँवाला बाग़ में बसंत' कविता में शहीदों की स्मृति में किस रूप में फूल चढ़ाने का अनुरोध किया गया है ?

उत्तर— शहीदों की स्मृति में पूजा के रूप में फूल चढ़ाने का अनुरोध किया गया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित आशय को व्यक्त करने वाली पंक्तियाँ कविता से चुनकर लिखिए :

(क) *जलियाँवाला बाग़ में भीषण रक्तपात हुआ था।*

पंक्ति— परिमल-हीन पराग दाग़-सा बना पड़ा है।
हाँ! यह प्यारा बाग़ खून से सना पड़ा है।

(ख) *वहाँ अबोध बच्चों पर भी गोलियाँ चलाई गईं थीं।*

पंक्ति— कोमल बालक मरे यहाँ गोली खा-खाकर।

(ग) *बाग़ में कोयल और भौंरों के व्यवहार से भी शोक प्रकट हो रहा है।*

पंक्ति— कोकिल गावे, किंतु राग रोने का गावे।
भ्रमर करे गुंजार, कष्ट की कथा सुनावे।

2. बालकों के प्रति कलियाँ, युवकों के प्रति अधखिले फूल और वृद्धों के प्रति सूखे फूल अर्पित करने को क्यों कहा गया है ?

बालक कोमल कलियों के समान होते हैं, युवकों ने आधा जीवन ही जिया था तथा वृद्ध का जीवन सूखे फूल के समान होता है। इसलिए कवयित्री ने बालकों के लिए कलियाँ, युवकों के प्रति अधखिले फूल तथा वृद्धों के प्रति सूखे फूल अर्पित करने को कहा है।

3. उपर्युक्त पंक्तियों में :

(क) पराग को गंधहीन और दाग़ के समान क्यों कहा गया है ?

पराग को गंधहीन और दाग़ के समान कहा गया है क्योंकि जलियाँवाला बाग शहीदों के खून से सना हुआ है। उनके खून ने पराग को गंधहीन तथा दाग युक्त बना दिया है।

(ख) किन वर्णों की आवृत्ति से ध्वनि-सौंदर्य में वृद्धि हुई है ?

'प' और 'स' वर्णों की आवृत्ति से ध्वनि-सौंदर्य में वृद्धि हुई है।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) *यहाँ कोकिला नहीं, काक हैं शोर मचाते।*
काले-काले कीट, भ्रमर का भ्रम उपजाते।
कलियाँ भी अधखिलीं, मिली हैं कंटक-कुल से।
वे पौधे, वे पुष्प, शुष्क हैं अथवा झुलसे।।

प्रसंग— प्रस्तुत काव्यांश सुभद्राकुमारी चौहान द्वारा रचित कविता जलियाँवाला बाग में बसंत से अवतरित है।

व्याख्या— कवयित्री कहती है कि जलियाँवाला बाग में भीषण रक्तपात हुआ। यहाँ कोयल नहीं कौए शोर मचा रहे हैं। काले-काले कीड़ों को देखकर भौंरों का भ्रम पैदा होता है अर्थात् शहीदों के शवों के चारों ओर कीड़े ही कीड़े घूम रहे हैं। अधखिली कलियाँ काँटों में मिल गई हैं। पौधे और फूल सूख गए हैं या झुलस गए हैं।

(ख) *लाना संग में पुष्प, न हों वे अधिक सजीले।*
हो सुगंध भी मंद, ओस से कुछ-कुछ गीले।
किंतु न तुम उपहार भाव आकर दरसाना।
स्मृति में पूजा हेतु यहाँ थोड़े बिखराना।।

प्रसंग— प्रस्तुत काव्यांश सुभद्राकुमारी चौहान द्वारा रचित कविता 'जलियाँवाला बाग में बसंत' से अवतरित है।

व्याख्या— कवयित्री बसंत से कुछ कम चमक वाले फूल साथ लाने को कहती है। वे फूल धीमी गंध वाले हों तथा वे ओस से कुछ-कुछ गीले हों। इस प्रकार के फूलों से शहीदों का उचित सम्मान हो सकेगा। फूल देते समय उपहार का भाव नहीं होना चाहिए। ये फूल शहीदों की याद में बिखेरे जाने चाहिए।

5. 'जलियाँवाला बाग़ में बसंत' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

प्रतिपाद्य— कवयित्री नृशंस हत्याकांड के बाद जलियाँवाला बाग की दशा का वर्णन करते हुए बताती है कि जहाँ बागों में कोयल बोलती हैं वहाँ कौए का शोर है, अधखिली कलियाँ काँटों में मिल गई हैं, पेड़-पौधे और फूल सूख गए हैं। सारा बाग खून से लथपथ पड़ा है। बसंत को भी चुपके से आने की प्रार्थना की गई हैं। मंद हवा चल रही है, कोयल गाने की बजाय रो रही है। भौंरों का गुंजार पीड़ा की व्यथा सुना रहा है।

शहीदों की स्मृति के लिए फूल लाने की कामना की गई है। छोटे बच्चों के लिए कलियाँ तथा वृद्धों के लिए सूखे फूल चढ़ाने की कामना की है। बसंत को शोक स्थल पर बिना शोर किए आने को कहा है।

भाषा-बोधन

1. तुक मिलाइए :

कुलसे	—	**झुलसे**	चढ़ाना	—	**बढ़ाना**
मचाना	—	**बचाना**	खाकर	—	**जाकर**
गावे	—	**पावे**	पूजा	—	**दूजा**
बिखराना	—	**छितराना**	सजीले	—	**छबीले**

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

15. स्वामी विवेकानंद

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (ग) 5. (घ)
6. (क) 7. (ख) 8. (घ) 9. (घ) 10. (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. नरेंद्र मंदिर के अंदर क्यों जा छिपा ?

उत्तर— बंदरों के सरदार से बचने के लिए नरेंद्र मंदिर में जा छिपा।

प्रश्न 2. बंदरों के सरदार को दाँत किटकिटाते देखकर नरेंद्र ने क्या सोचा ?

उत्तर— नरेंद्र ने सोचा—''जो डर गया, वह मर गया।''

प्रश्न 3. यह बालक आगे चलकर किस नाम से प्रसिद्ध हुआ ?

उत्तर— स्वामी विवेकानंद के नाम से।

प्रश्न 4. स्वामी विवेकानंद का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

उत्तर— स्वामी विवेकानंद का जन्म सन् 1863 में कोलकाता में हुआ।

प्रश्न 5. नरेंद्रनाथ ने अपना गुरु किन्हें बनाया ?

उत्तर— स्वामी रामकृष्ण परमहंस को।

प्रश्न 6. नरेंद्र की माता की क्या इच्छा थी ?

उत्तर— नरेंद्र की माता की इच्छा थी कि नरेंद्र वकील बने।

प्रश्न 7. सत्य की खोज में नरेंद्रनाथ ने क्या-क्या कष्ट सहे ?

उत्तर— सत्य की खोज में नरेंद्रनाथ ने अनेक कष्ट सहे, जैसे—उन्होंने कई दिनों तक खाना नहीं खाया, भयंकर सरदी में नंगे बदन सोए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. स्वामीजी सर्वधर्म सम्मेलन में कैसे पहुँचे ? वहाँ उन्हें किन अभावों का सामना करना पड़ा ?

उत्तर— स्वामीजी अमेरिका में होने वाले 'सर्वधर्म सम्मेलन' में भक्त-मंडली की सहायता से पहुँचे। वहाँ उन्हें पता चला कि सम्मेलन होने में बहुत देर है। निर्धनता के कारण उन्हें वहाँ बहुत कष्ट झेलने पड़े। उनके पास ओढ़ने-बिछाने के लिए कपड़े भी नहीं थे।

प्रश्न 2. स्वामीजी ने पश्चिम वालों को क्या नई बात बताई ? उसका वहाँ क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर— स्वामीजी ने पश्चिम वालों को बताया कि कर्म को केवल कर्तव्य समझकर करना चाहिए। वहाँ के लोगों के लिए ये बातें नई थीं। अमेरिका के लोग स्वामीजी के भाषणों से अत्यधिक प्रभावित हुए। वैज्ञानिक भी अपनी प्रयोगशाला छोड़कर उनका भाषण सुनने आते थे। स्वामीजी के वेदांत पर वहाँ के लोग लट्टू हो गए।

प्रश्न 3. स्वामीजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर— स्वामीजी का व्यक्तित्व बड़ा ही सुंदर एवं भव्य था। उनका शरीर गठा हुआ था, दृष्टि में चुंबकीय प्रभाव था। उनके मुख-मंडल पर तेज था। उनका स्वभाव बहुत विनम्र था। वे दयालु प्रवृत्ति के थे।

प्रश्न 4. स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु स्वामीजी ने क्या संदेश दिया ?

उत्तर— स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु स्वामीजी ने भारतीयों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, कि डर और भीरुता से स्वाधीनता प्राप्त करना कठिन है। आजादी पाने का अधिकार केवल वीरों का है। उन्होंने भारतवासियों में जोश पैदा किया तथा भाईचारे की भावना से परिचित कराया। उन्होंने अपने को भारतीय मानकर गर्व की अनुभूति करने को कहा।

प्रश्न 5. स्वामी विवेकानंद ने किस संस्था की स्थापना की ? इस संस्था का प्रमुख कार्य क्या था ?

उत्तर— स्वामीजी ने 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की तथा देशभर में इसकी शाखाएँ खोलीं। इस संस्था का प्रमुख कार्य लोक-सेवा करना तथा वेदांत का प्रचार करना था। 1897 में जब भारत में प्लेग फैला तो स्वामीजी ने दीन-दुखियों की बहुत सेवा की उन्होंने ढाका, कोलकाता और तमिलनाडु में सेवाश्रम खोले।

प्रश्न 6. स्वामीजी ने कब और किन परिस्थितियों में अपने शरीर का त्याग किया ?

उत्तर— स्वामीजी को अपने अंतिम समय का आभास हो गया था। 4 जुलाई, 1902 को वे समाधि में लीन हो गए। वे दो घंटे तक समाधि में रहे। दोपहर को शिष्यों को व्याकरण पढ़ाया तथा वेदोपदेश दिया। फिर माला जपने के बाद समाधि में बैठ गए और स्वर्ग सिधार गए।

प्रश्न 7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) *हे वीर पुरुषो। मर्द बनो और ललकार कर कहो कि मैं भारतीय हूँ, मैं भारत का रहने वाला हूँ। हर-एक भारतवासी चाहे वह कोई भी हो, मेरा भाई है।*

प्रसंग— प्रस्तुत पंक्तियाँ स्वामी विवेकानंद की जीवनी से ली गई हैं इनमें भारतीयों को स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

व्याख्या— स्वामीजी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहते हैं कि हे वीर पुत्रों, आदमी बनो और जोश से कहो कि हम भारतीय हैं। हम भारतवासी हैं और भारत का प्रत्येक वासी मेरा भाई है।

(ख) *जिस व्यक्ति ने ईश्वरीय प्रेम के आनंद का रस चख लिया हो, उसे सांसारिक आकर्षण अपनी ओर नहीं खींच सकते।*

प्रसंग— प्रस्तुत पंक्तियाँ स्वामी विवेकानंद की जीवनी से ली गई हैं। इनमें भगवान की श्रेष्ठता तथा सर्वोच्चता का प्रतिपादन किया गया है।

व्याख्या— स्वामीजी कहते हैं कि जिस मनुष्य ने भगवान के रहस्य को समझ लिया अथवा उसके प्रेम रूपी रस का पान कर लिया वह सांसारिक बंधनों से मुक्त है। उसे दुनिया की कोई भी वस्तु अपनी ओर नहीं खींच सकती।

प्रश्न 8. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *कर्म को केवल कर्तव्य समझकर करना चाहिए। उसमें फल की इच्छा नहीं रखनी चाहिए।*

आशय— हमें काम को अपना कर्तव्य मानना चाहिए। इसमें फल की कामना नहीं करनी चाहिए।

(ख) *वे ज्ञान की ऐसी मशाल प्रज्वलित कर गए हैं, जो संसार को सदैव आलोकित करती रहेगी।*

आशय— स्वामीजी संसार में ज्ञान का ऐसा प्रकाश फैला कर गए हैं, जिससे सारी दुनिया हमेशा प्रकाशवान रहेगी।

प्रश्न 9. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) बालक नरेंद्र किसी तरह भागता-भागता **गंगा नदी के** किनारे पहुँचा।

(ख) नरेंद्रनाथ **सत्य** की खोज में इधर-उधर भटकने लगे।

(ग) **पहाड़** से उतरकर उन्होंने सारे देश का भ्रमण किया।

(घ) संतोषवृत्ति के कारण स्वामी विवेकानंद सब कष्टों को झेल गए।

(ङ) स्वामीजी का रूप बड़ा **सुंदर** एवं **भव्य** था।

प्रश्न 10. निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर स्वामी विवेकानंद का चरित्र-चित्रण कीजिए :

साहसी—स्वामी विवेकानंद में बचपन से ही साहस कूट-कूट कर भरा हुआ था। बचपन में बंदरों के सरदार को डरा कर भागा दिया था।

बुद्धिमान—स्वामीजी बहुत बुद्धिमान थे। उन्होंने अंग्रेज़ी स्कूल से शिक्षा प्राप्त की। सन् 1884 में उन्होंने बी०ए० की डिग्री प्राप्त की।

कष्ट-सहिष्णु—ज्ञान की प्राप्ति के लिए उन्होंने अनेक कष्ट झेले। वे कई दिनों तक भूखे रहे तथा भयंकर सरदी में भी नंगे बदन सोए।

विद्वान—स्वामीजी ने लोगों को धर्म और नीति तत्वों के उपदेश दिए। उन्होंने अमेरिका में ऐसा पांडित्यपूर्ण, ओजस्वी तथा धाराप्रवाह भाषण दिया कि लोग मंत्र-मुग्ध हो गए।

ओजस्वी वक्ता—स्वामीजी अच्छे वक्ता थे। उनके भाषणों पर टिप्पणी करते हुए अमेरिका के समाचार पत्र 'द न्यूयार्क हेराल्ड' ने लिखा कि—"धर्मों की पार्लियामेंट में सबसे महान व्यक्ति विवेकानंद हैं।" वैज्ञानिक भी अपनी प्रयोगशाला छोड़कर उनका भाषण सुनने आते थे।

समाज-सेवक—स्वामीजी ने वेदांत के प्रचार के साथ-साथ लोक-सेवा भी की। सन् 1897 में जब भारत में प्लेग फैला तो उन्होंने दीन-दुखियों की बहुत सेवा की। उन्होंने अनेक स्थानों पर सेवाश्रम खोले।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग-प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए :

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
(क) आलोकित	आ	लोक	इत
(ख) पराधीन	पर	अधीन	—
(ग) स्वतंत्रता	स्व	तंत्र	ता
(घ) प्रज्वलित	प्र	ज्वल	इत
(ङ) अचुंबकीय	अ	चुंबक	इय
(च) प्रत्याशित	प्र	अप्रत्यय	इत

2. संधि-विच्छेद कीजिए :

(क) **अत्यधिक**—अति + अधिक

(ख) **वेदांत**—वेद + अंत

(ग) **विवेकानंद**—विवेक + आनंद

(घ) **उल्लास**—उत् + लास

3. भाववाचक संज्ञा बनाइए :

(क) **प्रसिद्ध**—प्रसिद्धि
(ख) **मधुर**—मधुरता
(ग) **उत्सुक**—उत्सुकता
(घ) **साहसी**—साहस
(ङ) **संतोषी**—संतोष
(च) **भीरु**—भीरुता
(छ) **विद्वान**—विद्वत्ता

4. इस पाठ में से पाँच व्यक्तिवाचक और पाँच जातिवाचक संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए।

व्यक्तिवाचक संज्ञा	**जातिवाचक संज्ञा**
नरेंद्र	बंदर
स्वामी विवेकानंद	बालक
कोलकाता	नदी
अमेरिका	माता
भारत	भारतवासी

5. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए :

(क) विवेकानंद सभी कष्टों को हँसकर झेलते थे।

⇒ विवेकानंद ने सभी कष्टों को हँसकर झेला।

(ख) वे समाज-सेवा में हाथ बँटाते थे।

⇒ उन्होंने समाज-सेवा में हाथ बँटाया।

6. लिंग बदलिए :

(क) पंडित—पंडिताइन
(ख) विद्वान—विदुषी
(ग) कवि—कवयित्री
(घ) स्वामी—स्वामिनी
(ङ) शिष्य—शिष्या
(च) भक्त—भक्तिन

7. उपयुक्त स्थानों पर सही विराम-चिह्न लगाइए :

''प्यारे देशवासियों, पुनीत आर्यावर्त में बसने वालो, क्या तुम अपनी इस भीरुता से स्वाधीनता प्राप्त कर सकोगे, जो केवल वीर पुरुषों का अधिकार है।''

8. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि इनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ :

(क) वशीभूत करना— मेघना के नृत्य ने सभी को वशीभूत कर दिया।

(ख) लट्टू होना— मैं तुम्हारे सौंदर्य पर लट्टू हो गया हूँ।

(ग) खिल्ली उड़ाना— तोताराम को देखकर सभी उसकी खिल्ली उड़ाने लगे।

(घ) पलक झपकना— नींद के मारे मेरी पलकें बार-बार झपक रही थी।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

16. जीवन में विचारों का महत्व

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग) 2. (घ) 3. (ख) 4. (क) 5. (घ)
6. (क) 7. (ग) 8. (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लेखक ने भाग्य को क्या कहा है ?

उत्तर— लेखक ने भाग्य को विचार कहा है।

प्रश्न 2. जहाज़ के डूबने का कारण क्या था ?

उत्तर— जहाज इसलिए डूब गया क्योंकि जो व्यक्ति जहाज का कप्तान बना था वह नासमझ था। उसने जहाज के पतवार हटवा दिए थे।

प्रश्न 3. हम अपने मन को कैसे नियंत्रित रख सकते हैं ?

उत्तर— दृढ़ संकल्प शक्ति से।

प्रश्न 4. विचारों को बेलगाम छोड़ देने पर क्या होगा ?

उत्तर— मन को बेलगाम छोड़ने पर मन विवश हो जाता है, वह परिस्थितियों और घटनाओं का विरोध करने का भी प्रयत्न नहीं करता।

प्रश्न 5. जीवन की सर्वोत्तम शिक्षा क्या है ?

उत्तर— जीवन की सर्वोत्तम शिक्षा मनोनिग्रह का पाठ है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. आमतौर पर भाग्य और विचार को लोग एक-दूसरे से अलग मानते हैं; किंतु लेखक ऐसा क्यों नहीं मानता ?

उत्तर— लेखक के अनुसार हमारे विचार ही भविष्य का निर्माण करते हैं। अच्छे विचारों से शुभ भविष्य तथा बुरे विचारों से बुरे भविष्य की रचना होती है। भाग्य का दूसरा नाम विचार ही है। सद्विचारों से जीवन को नई दिशा मिलती है।

प्रश्न 2. लेखक जीवन की सार्थकता किसमें मानता है ?

उत्तर— लेखक जीवन की सार्थकता अच्छे विचारों में मानता है। अच्छे विचारों से सफल जीवन का निर्माण होता है।

प्रश्न 3. लेखक ने जहाज़ का उदाहरण क्या सिद्ध करने के लिए दिया है ?

उत्तर— जहाज के नए कप्तान ने पाल खोलने तथा पतवार न थामने की आज्ञा दी जिससे जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह दुर्घटना कप्तान की मूर्खता के कारण हुई। लेखक इस उदाहरण से यह सिद्ध करना चाहता है कि व्यक्ति को सोच-विचार कर निर्णय लेना चाहिए। जीवन में सद्विचारों को अपनाना चाहिए।

प्रश्न 4. जीवन के निर्माण में हमारे विचार किस प्रकार सहायक हैं ?

उत्तर— जीवन के निर्माण में विचारों का बहुत महत्व है। मन को वश में रखकर अर्थात् एकाग्रचित्त से किए गए कार्यों में हमेशा सफलता मिलती है और व्यक्ति का जीवन सुखमय बनता है। बिना विचारे कार्य करने से जीवन में दुख, कठिनाई और असफलता ही मिलती है। इसलिए जीवन के निर्माण में सद्विचारों का होना अति आवश्यक है।

प्रश्न 5. मनोनिग्रह का क्या अर्थ है ? यह मन बाँधे रखने में किस प्रकार सहायता करता है ?

उत्तर— मनोनिग्रह का अर्थ है—मन पर नियंत्रण करना। मन को बाँधे रखने के लिए दृढ़ संकल्प शक्ति का होना जरूरी है। मनोनिग्रह मन में बुरे विचार नहीं आने देता। वह मन पर नियंत्रण रखता है।

प्रश्न 6. इस पाठ का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर— सार— जीवन में विचारों का बहुत महत्व है। सद्विचारों से अच्छे भविष्य का निर्माण होता है। परंतु बुरे विचारों से जीवन पतन की ओर जाता है। मन को वश में रखना जरूरी है इसके लिए दृढ़ संकल्प शक्ति होनी चाहिए। जो व्यक्ति मन को अनियंत्रित छोड़ देते हैं वे अपने जीवन में घटने वाली दुर्घटनाओं को रोक नहीं पाते। इसलिए कठिनाइयों से बचने के लिए बाल्यकाल से ही मन को वश में रखने की आदत होनी चाहिए। मनोनिग्रह ही जीवन की सर्वोत्तम शिक्षा है। अपने विचारों को सोच-समझ कर सही दिशा में आगे बढ़ें तभी सफलता की राह प्राप्त होती है।

भाषा-बोधन

2. ऐसे कुछ उदाहरण स्वयं अपनी ओर से याद कीजिए जिनमें दो संज्ञाओं से बना समस्त-पद कोई तीसरा ही अर्थ व्यक्त करता हो।

कमल + नयन = **कमलनयन**	चरण + कमल = **चरणकमल**
मातृ + भूमि = **मातृभूमि**	लौह + पुरुष = **लौहपुरुष**
विद्या + सागर = **विद्यासागर**	

3. निम्नलिखित शब्दों का विश्लेषण करके बताइए कि कहाँ समास की स्थिति है और कहाँ संधि की।

पुण्यकर्म	—	पुण्य के लिए कर्म	—	समास
पददलित	—	पैरों से दलित	—	समास
परमात्मा	—	परम + आत्मा	—	संधि
अनश्वर	—	अ + नश्वर	—	संधि
सुयश	—	सु + यश	—	संधि
मनोनुकूल	—	मन: + अनुकूल	—	संधि

स्वाभाविक	—	स्वभाव + इक	—	संधि
इच्छानुसार	—	इच्छा के अनुसार	—	समास
मनोविश्लेषण	—	मन का विश्लेषण	—	समास

4. 'सद्वृत्ति' का अर्थ है अच्छी वृत्ति। इस प्रकार के अन्य पाँच शब्द अपनी ओर से लिखिए।

सद्गति, सद्विचार, सद्भाव, सद्जात, सद्गुण

5. निम्नांकित शब्दों का स्व-रचित वाक्यों में इस तरह प्रयोग कीजिए कि उनका प्रयोग तथा अर्थ-संबंधी भिन्नता स्पष्ट हो जाए—

बैठा ; बैठा-बैठा

लड़का नीचे बैठा है। मैं बैठा-बैठा देखता रहा।

ज्यों ; ज्यों-ज्यों

ज्यों ही मैं आगे बढ़ा, मेरे सामने एक शेर खड़ा था।

ज्यों-ज्यों अंधेरा बढ़ता गया, जंगल में डर के मारे हमारी घबराहट भी बढ़ती गई।

खेल ; खेल-खेल

बच्चे खेल रहे हैं।

दीपक की खेल-खेल में ही श्याम से कहा-सुनी हो गई।

धीरे ; धीरे-धीरे

उसने धीरे से दरवाज़ा खोला। वह धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा।

6. सही कथनों पर (✔) चिह्न और गलत कथनों पर (✔) चिह्न लगाओ :

(क) विचार कोई ठोस वस्तु नहीं, अमूर्त तथ्य है। (✔)

(ख) प्रेम का प्रतिफल प्रेम मिलेगा और द्वेष का प्रतिफल द्वेष। (✔)

(ग) हमें ओछी और तुच्छ पुस्तकें पढ़नी चाहिए। (✘)

(घ) स्वभाव को श्रेष्ठ बनाना व्यक्ति के हाथ में है। (✔)

(ङ) हमें मनोनिग्रह का पाठ नहीं पढ़ना चाहिए। (✘)

(च) हमें अपने इर्द-गिर्द के वातावरण को बदलने का प्रयास नहीं करना चाहिए। (✘)

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

17. भक्ति-पद

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग) 2. (ख) 3. (ग) 4. (क) 5. (ख) 6. (क) 7. (घ)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. सूरदास ने अपने उपास्य-देव श्रीकृष्ण की तुलना किन-किन वस्तुओं से की है ?

उत्तर—सूरदास ने अपने उपास्य-देव श्रीकृष्ण की तुलना जहाज, गंगा तथा कामधेनु से की है।

प्रश्न 2. सूरदास किसी अन्य देव की उपासना क्यों नहीं करना चाहते ?

उत्तर—सूरदास कमलनयन श्रीकृष्ण की उपासना इसलिए करना चाहते हैं क्योंकि वे गंगा के समान हैं तथा अन्य देवता कुएँ के समान हैं।

प्रश्न 3. हमारे कितने मन होते हैं ?

उत्तर—हमारे पास एक ही मन है।

प्रश्न 4. गोपियों ने किस बात की आशा लगा रखी है ?

उत्तर—श्रीकृष्ण से मिलन की आशा गोपियों ने लगा रखी है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. जहाज़ के पंछी की क्या विशेषता है ? कवि ने अपने मन को जहाज़ का पंछी क्यों कहा है ?

उत्तर—जहाज का पंछी इधर-उधर उड़ता घूमता रहता हैं परंतु अंततः वह लौट कर जहाज पर ही आता है। कवि का मन भी जहाज के पंछी के समान है क्योंकि वह भी लौटकर अपने आराध्य देव श्रीकृष्ण के पास आता है।

प्रश्न 2. गोपियाँ निर्गुण ब्रह्म की उपासना करने में क्यों असमर्थ हैं ? इसके लिए वे क्या-क्या तर्क देती हैं ?

उत्तर—गोपियाँ निर्गुण ब्रह्म की उपासना करने में असमर्थ हैं क्योंकि उनके पास एक ही मन है जो सगुण श्रीकृष्ण की उपासना में लगा है।

प्रश्न 3. प्रथम पद में गोपियाँ भावुक प्रतीत होती हैं जबकि दूसरे पद में तार्किक। उपयुक्त उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर—प्रथम पद में गोपियाँ भावुक प्रतीत होती है। उनका मन केवल कृष्ण में लगा है। उनका मन उसी प्रकार कृष्ण के पास लौट कर आता है जिस प्रकार जहाज का

पंछी लौटकर जहाज पर ही आता है। गोपियों ने श्रीकृष्ण को गंगा के समान माना तथा अन्य देवताओं को कुएँ के समान। इन तथ्यों से कृष्ण के प्रति उनकी भावुकता प्रकट होती है। दूसरे पद में गोपियाँ उद्‌भव से तर्क-वितर्क करती हैं कि उनकी हालत कृष्ण के बिना ऐसी हो गई है जैसे बिना सिर के शरीर। उनकी इंद्रियाँ शिथिल हो गई हैं। उनके पास एक ही मन था जो कृष्ण में बसा है, वही हमारे पति है दूसरा कोई नहीं।

प्रश्न 4. इन पदों के आधार पर श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों के अनन्य प्रेम का वर्णन कीजिए।

उत्तर—गोपियाँ कृष्ण से अत्यधिक प्रेम करती है। उनके पास एक ही मन है जो कृष्ण में बसा है। कृष्ण को देखे बिना उनकी इंद्रियाँ शिथिल हो गई हैं। गोपियों की हालत ऐसी हो गई है जैसे बिना सिर के शरीर होता है। वे अनंत काल तक अपने प्रियतम कृष्ण की प्रतीक्षा करना चाहती हैं।

प्रश्न 5. आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) *सूरदास प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै।*

आशय—इस पंक्ति का आशय है कि कामधेनु के समान श्रीकृष्ण को छोड़कर बकरी के समान अन्य देवों की उपासना कौन करेगा। अर्थात् कृष्ण कामधेनु गाय के समान फल देने वाले हैं।

(ख) *ऊधौ मन न भए दस बीस।*

आशय—गोपियाँ उद्‌धव को बताती है कि उनके पास दस-बीस मन नहीं हैं, केवल एक ही मन है जिसमें श्रीकृष्ण बसते हैं।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए :

(क) कमल—कमलत्व/कमलीय

(ख) नेत्र—नेत्रीय

(ग) जगदीश—जगदीश्वरत्व

(घ) सुख—सुखी

(ङ) मधुकर—मधुकरत्व

(च) तन—तन्मय

2. 'नंद-नंद' में कौन-सा अलंकार है ?

अनुप्रास अलंकार, पुनरावृत्ति अलंकार

3. 'कमल-नैन' में किस अलंकार का प्रयोग किया गया है ?

रूपक अलंकार

4. सूरदास ने अपने आराध्य देव के लिए जिन विशेषणों का प्रयोग किया है, उन्हें स्तंभ में दिया गया है। उनसे व्यंजित अर्थों को स्तंभ से मिलाइए :

'अ'	'ब'
(क) कमल-नैन	*(iv)* रूप-सौंदर्य
(ख) परम गंगा	*(i)* पवित्रता
(ग) अंबुज-रस	*(ii)* आनंद
(घ) कामधेनु	*(iii)* अभीष्ट प्राप्ति

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

18. आर्यभट

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (ग) 5. (ग) 6. (ख) 7. (ग) 8. (क)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. आर्यभट कौन थे?

उत्तर—आर्यभट गणित एवं ज्योतिष के विद्वान थे।

प्रश्न 2. आर्यभट कहाँ के निवासी थे?

उत्तर—आर्यभट कुसुमपुर (पटना) के निवासी थे।

प्रश्न 3. आर्यभट की पुस्तक का नाम क्या था?

उत्तर—आर्यभटीय।

प्रश्न 4. क्या आर्यभट राहु-केतु जैसे राक्षसों पर विश्वास करते थे?

उत्तर—नहीं, आर्यभट राहु-केतु जैसे राक्षसों में विश्वास नहीं करते थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पाठ के आधार पर आर्यभट के जीवन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर—आर्यभट का जन्म 476 ई० में हुआ था। वे स्वयं को कुसुमपुर (पटना) का निवासी बताते थे। उन्होंने ज्योतिष और गणित की पढ़ाई की। आर्यभट के समय हूणों के हमले हो रहे थे। उन्होंने 'आर्यभटीय' नामक पुस्तक लिखी।

प्रश्न 2. आर्यभट द्‌वारा किए गए दो प्रमुख आविष्कारों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—आर्यभट ने अक्षरांक-पद्‌धति का आविष्कार किया। इस पद्‌धति में बड़ी-बड़ी संख्याओं को छोटे-छोटे शब्दों में लिखा जाता है। आर्यभट ने त्रिकोणमिति में भी एक नई पद्‌धति का आविष्कार किया। इस पद्‌धति को ज्या या भुज्या कहते हैं।

प्रश्न 3. 'आर्यभटीय' पुस्तक के बारे में आप क्या जानते हैं ? विवरण दीजिए।

उत्तर—'आर्यभटीय' पुस्तक आर्यभट द्‌वारा लिखी गई है। यह संस्कृत भाषा में कविता में लिखी गई है। इसमें चार भाग तथा 121 श्लोक हैं। इस पुस्तक में गणित के साथ-साथ ज्योतिष की भी चर्चा की गई है। इसमें आर्यभट ने गणित और ज्योतिष की वे सारी बातें लिखी हैं जो उनके समय में खोजी गई थीं।

प्रश्न 4. आर्यभट ने खगोल-विज्ञान के विषय में क्या जानकारियाँ प्रतिपादित कीं ? उल्लेख कीजिए।

उत्तर—आर्यभट ने बताया कि राहु-केतु राक्षस नहीं है। इनके बारे में की जाने वाली बातें झूठी हैं। आर्यभट के अनुसार पृथ्वी की छाया जब चंद्र पर पड़ती है तब चंद्रग्रहण होता है और जब चंद्रमा की छाया पृथ्वी पर पड़ती है तब सूर्यग्रहण होता है। आर्यभट ने स्पष्ट लिखा है कि पृथ्वी अपनी धुरी पर परिक्रमा करती है, इसलिए खगोल हमें घूमता हुआ दिखाई देता है।

भाषा-बोधन

1. गणित में 'ईय' प्रत्यय जोड़कर शब्द बना 'गणितीय'। इसी प्रकार के अन्य चार शब्द लिखिए।

शासक + ईय = शासकीय	नगर + ईय = नगरीय
भारत + ईय = भारतीय	मानव + ईय = मानवीय

2. 'अ' उपसर्ग लगाकर शब्द बना—अद्‌वितीय। चार अन्य शब्द लिखिए।

अन्याय, अबोध, अशुद्‌ध, अलौकिक

3. दिए गए उदाहरणों के अनुसार आप भी कुछ वाक्य बनाइए।

(क) रेलगाड़ी **धीरे-धीरे** आगे बढ़ने लगी।

(ख) अपना कर्म करते जाओ, **लाभ-हानि** की चिंता मत करो।

(ग) सभी से **मिल-जुल** कर रहना चाहिए।

(घ) बच्चों को कुछ **मीठा-वीठा** खिलाओ।

4. नीचे लिखे शब्दों में आए प्रत्ययों को अलग करके लिखिए :

(क) आकाशीय	**ईय**	**(ख)** गरमी	**ई**
(ग) आकर्षित	**इत**	**(घ)** विकसित	**इत**
(ङ) वैज्ञानिक	**इक**		

5. नीचे लिखे शब्दों का अपने वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनके अर्थ में अंतर स्पष्ट हो जाए :

आकाश — **आकाश** में बादल छाए हुए हैं।
अंतरिक्ष — **अंतरिक्ष** में स्थित ग्रहों की जानकारी के लिए रॉकेट भेजा गया।
इच्छुक — मैं यह पुस्तक खरीदने की **इच्छुक** नहीं हूँ।
जिज्ञासा — तुम्हारी **जिज्ञासा** तो दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है।
कुशल — रेवा चित्र बनाने में बहुत **कुशल** है।
सकुशल — पूरा परिवार यात्रा से **सकुशल** लौट आया।
प्रयोग — नक्षत्रों को देखने के लिए दूरबीन का **प्रयोग** किया जाता है।
उपयोग — कंप्यूटर के अनगिनत **उपयोग** है।

6. सही कथनों के सामने (✔) चिह्न तथा गलत कथनों के सामने (✘) चिह्न लगाओ :

(क) आर्यभट ने कहा था कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। (✘)
(ख) हमारे देश में सदियों तक यह मान्यता रही कि पृथ्वी स्थिर है और समूचा खगोल इसकी परिक्रमा करता है। (✔)
(ग) जब पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है तब चंद्र ग्रहण होता है। (✔)
(घ) आर्यभट के समय में दूरबीन जैसी वस्तु थी। (✘)
(ङ) आजकल स्कूलों में जो रेखागणित पढ़ाया जाता है, वह यूनान के महान गणितज्ञयूक्लिद की ज्यामिति पर आधारित है। (✔)

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।

19. ताँबे की खदान से पत्र

अभ्यास-प्रश्न

बोध और विचार

बहुविकल्पी प्रश्न

उत्तर— 1. (क) 2. (ख) 3. (घ) 4. (ग) 5. (क)
6. (घ) 7. (ग) 8. (ख)

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. 'ताँबे की खदान से पत्र' किसने, किसको, कहाँ से लिखा है ?

उत्तर—यह पत्र कुणाल ने अपनी बहन दिव्या को कान्हा (मध्यप्रदेश) से लिखा है।

प्रश्न 2. ताँबा कैसे निकाला जाता है ?

उत्तर—पत्थरों को तोड़कर तथा पीसकर ताँबा निकाला जाता है।

प्रश्न 3. 'ताँबा एक अच्छा सुचालक है'—'सुचालक' से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर—सुचालक का तात्पर्य है—ताँबे की तारों से बिजली अच्छी प्रकार से पास होना।

प्रश्न 4. ताँबे का प्रयोग किस-किसमें किया जाता है ?

उत्तर—ताँबे का प्रयोग विद्युत केंद्रों, जेनरेटरों, टेलीफोन तथा मोटरों में किया जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

प्रश्न (क) भू-विज्ञानी पृथ्वी में खनिज संपदा का पता कैसे लगाते हैं ?

उत्तर—भू-विज्ञानी पृथ्वी में छिपी संपदा का पता लगाने के लिए चट्टानों का अध्ययन करते हैं। जमीन की सतह में छेद करते हैं तथा बर्मा चलाते हैं। विमानों से भी भू-सर्वेक्षण किया जाता है।

प्रश्न (ख) ताँबे की खदान के आस-पास कैसा दृश्य था ?

उत्तर—ताँबे की खदान के निकट दीवाली से भी ज्यादा जगमग थी। वहाँ लोग बहुत बड़े-बड़े बूट पहने तथा हेल्मेट लगाए अपना-अपना काम कर रहे थे।

प्रश्न (ग) डंपर की क्या विशेषता है ? यह किस काम आता है ?

उत्तर—डंपर की यह विशेषता है कि इसमें ट्रक से साढ़े आठ गुना माल भरा जाता है। यह खदान से कच्चा माल भरने के काम आता है। इससे माल उतारने के लिए मजदूरों की आवश्यकता नहीं पड़ती, बल्कि इसके पिछले भाग को तिरछा करने से सारा माल स्वयं नीचे आ जाता है।

प्रश्न (घ) 'ब्लास्ट होल ड्रिल' किस प्रकार कार्य करती है ?

उत्तर—'ब्लास्ट होल ड्रिल' मशीन बिजली से चलती है। इसके बरमों से जमीन में छेद किए जाते हैं। फिर उन छेदों को बारूद से भरा जाता है।

प्रश्न (ङ) पत्थर से ताँबे को किस प्रकार अलग किया जाता है ?

उत्तर—पत्थरों को क्रेशर प्लांट से पीसा जाता है। इसे गारे की शक्ल प्रदान की जाती है। इसके बाद ताँबा मिट्टी से अलग किया जाता है। मिट्टी में केवल दो प्रतिशत ताँबा होता है।

प्रश्न (च) भारत में ताँबे की खानें कहाँ-कहाँ हैं ?

उत्तर—भारत में ताँबे की खानें—राजस्थान के खेतड़ी, कोलिहन, चाँदमारी और दरीब में, बिहार के सिंहभूमि, राखा, मोसाबनी, घाटशिला, धोबनी, बेदिया, केंदाडीह और हजारीबाग में, आंध्र प्रदेश में अग्निगुंडला और अनंतपुर में, कर्नाटक के हसन और चित्रदुर्ग में।

प्रश्न (छ) 'ताँबे की खदान से पत्र' पाठ किस शैली में लिखा गया है। इस शैली में लिखने के पीछे क्या उद्देश्य है ?

उत्तर—यह पाठ पत्र शैली में लिखा गया है। इस शैली में लिखने के पीछे उद्देश्य यही है कि पाठक को यह जानकारी रूचिकर लगे तथा वह इसे आसानी से समझ सके।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) ताँबा **बिजली** का अच्छा सुचालक है।

(ख) **विमानों** की सहायता से भू-सर्वेक्षण किया जाता है।

(ग) **डंपर** में साधारण ट्रक से आठ गुना माल भरा जाता है।

(घ) पलीता लगाकर बारूद में **विस्फोट** किया जाता है।

(ङ) मिट्टी में केवल **दो** प्रतिशत ही ताँबा होता है।

भाषा-बोधन

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए :

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटिए :

	विशेषण शब्द
(क) ताँबा इस्पात से भी क़ीमती धातु है।	कीमती
(ख) वहाँ बहुत-से लोग बड़े-बड़े बूट पहने हुए थे।	बहुत-से, बड़े-बड़े
(ग) एक किनारे पर मशीनी बेलचा लगा हुआ था।	एक, मशीनी
(घ) वहाँ एक बहुत बड़ी क्रेन खड़ी थी।	एक, बहुत, बड़ी
(ङ) ताँबे की प्रमुख खानें राजस्थान में हैं।	प्रमुख

3. 'प्रक्रिया' में 'प्र' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है।
'प्र' उपसर्ग का प्रयोग करते हुए चार अन्य शब्द बनाइए :

प्रकार प्रयोग प्रकाश प्रसाद

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए :

(क) तुम्हें यहाँ खानें दिख गई हैं। ⇒ तुम्हें यहाँ खाने दिख गई होंगी।

(ख) वह नीचे उतर गया है। ⇒ वह नीचे उतर गया होगा।

5. गया, होना, था, देना, जाना आदि रंजक क्रियाओं से बनने वाली संयुक्त क्रियाओं से चार वाक्य बनाइए।

(क) वह मेला देखने गया।

(ख) तुम्हें शाम को घर पर होना चाहिए।

(ग) शेर पेड़ के नीचे बैठा था।

(घ) हमें गरीबों को दान देना चाहिए।

(ङ) मुझे आज बैंक जाना था।

ज्ञान-विस्तार

विद्यार्थी स्वयं करें।